● वर्ष : 17 ● अंक : 212 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 23 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत-साइप्रस के बीच होगी रणनीतिक साझेदारी, निवेश भी होगा दोगुनाः मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ दोनों देशों के बीच व्यापक एवं भरोसेमंद साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर शुक्रवार को व्यापक चर्चा की। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारत और साइप्रस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद-विरोधी, समुद्री सुरक्षा, राजनयिक प्रशिक्षण, नवाचार, शिक्षा और संस्कृति सहित कई समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री और वित्तीय संपर्क, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गतिशीलता, शिक्षा, संस्कृति और भारत-यूरोपीय संघ के संबंधों जैसे विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। दोनों नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और साइप्रस के बीच 14 विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देश अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होगा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देश सहयोग करेंगे। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश संयुक्त कार्य समूह का गठन करेंगे। साइप्रस ने भारत की हिन्द-प्रशांत महासागरीय पहल में शामिल होने का फैसला किया है। भारत अत्याधुनिक स्वदेशी मोबाइल अस्पताल भीष्म क्यूब साइप्रस को उपहार स्वरूप देगा। दोनों देशों ने अगले 5 सालों के लिए रक्षा सहयोग का रोड मैप तैयार किया है। दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा एवं शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं सहयोग, नवाचार एवं तकनीक से जुड़े विषयों पर दोनों देशों के बीच में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। दोनों देश सर्च एवं रेस्क्यू क्षेत्र में भी सहयोग करेंगे। दोनों देशों के बीच साइबर सुरक्षा और राजनयिक संवाद की भी स्थापना की जाएगी। दोनों देशों ने 18 मई को भारत-साइप्रस स्पेस डे मनाया और इसके अलावा मुंबई में साइप्रस वाणिज्य केंद्र खोला गया है। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त वक्तव्य दिया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस के बीच बढ़ते भरोसे तथा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नई संभावनाएं उभरी हैं और दोनों देश अगले पांच वर्षों में साइप्रस से भारत में होने वाले निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हुआ है, जो दोनों देशों के बीच बढ़े विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते से नई आर्थिक संभावनाएं बनी हैं और इन्हीं अवसरों का लाभ उठाते हुए दोनों देश अगले पांच वर्षों में निवेश को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और साइप्रस के संबंध समय की कसौटी पर बार-बार खरे उतरे हैं और रणनीतिक साझेदारी बनने से इन संबंधों को नया एम्बिशन और नई स्पीड मिलेगी।

पीएम शनिवार को रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को 19वें रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 11 बजे कार्यक्रम में शामिल होंगे और इस अवसर पर युवाओं को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के तहत रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को तेज करना और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। बयान में कहा गया है कि देशभर में आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक करीब 12 लाख भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार के कई मंत्रालयों और विभागों में नियुक्ति दी जाएगी। इनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत अन्य विभाग शामिल हैं।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

1975 का आक्रोश और 2026 का बेचैन भारत?

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनाक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की मंहगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया।

पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर "दुर्गा" कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया।

छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आव्हान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी 1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पंहुच गया है।

महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और "विश्वगुरु भारत" का सपना दिखाया गया था।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

राज्यसभा की 24 सीटों पर चुनाव और दो पर उपचुनाव की घोषणा, 18 जून को मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने जून-जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा सदस्यों की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा महाराष्ट्र और तमिलनाडु की दो रिक्त सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। सभी सीटों के लिए मतदान 18 जून को होगा और उसी दिन नतीजे आयेंगे। चुनाव आयोग के अनुसार 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जून और जुलाई में समाप्त हो रहा है। इसके अलावा महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा की एक-एक सीट रिक्त होने के कारण उपचुनाव भी कराए जाएंगे। महाराष्ट्र की सीट सुनेत्रा अजित पवार के 6 मई को इस्तीफे और तमिलनाडु की सीट सी. वी. शनमुगम के 7 मई को इस्तीफे के बाद खाली हुई। इन दोनों सीटों का कार्यकाल क्रमशः 4 जुलाई 2028 और 29 जून 2028 था। आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून तय की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी।

राष्ट्रीय खेल विकास कोष के दुरुपयोग को लेकर जयराम रमेश का सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) के कथित दुरुपयोग को लेकर सरकार और नौकरशाहों पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फंड का इस्तेमाल देश के शीर्ष खिलाड़ियों की मदद करने के बजाय आईएएस अधिकारियों के आलीशान बंगलों और कल्याण संघों में खेल परिसर बनाने के लिए किया गया। जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि एनएसडीएफ मुख्य रूप से 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टीओपीएस) को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो ओलंपिक स्तर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सहयोग देने वाली सरकार की एक प्रमुख योजना है। उन्होंने वित्तीय आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि एनएसडीएफ को मिलने वाला दान वित्त वर्ष 2023-24 के 85.26 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में महज 37.02 करोड़ रुपये रह गया है। इस कोष का कामकाज एक काउंसिल देखती है, जिसकी अध्यक्षता खुद केंद्रीय खेल मंत्री करते हैं। महासचिव ने बताया कि शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने अगस्त 2025 में ही यह मुद्दा उठाया था कि एनएसडीएफ के पैसों का इस्तेमाल आईएएस अधिकारियों के आवासों और वेलफेयर एसोसिएशनों में खेल परिसर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसके बाद एक समाचार पत्र ने भी अपनी रिपोर्ट में इस वित्तीय गड़बड़ी का विस्तार से खुलासा किया था।

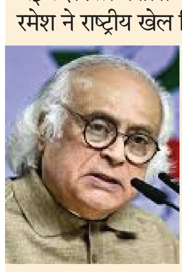

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विस के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सत्तारूढ़ यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद सदन में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशन और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशन ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे।

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना से भारत-बांग्लादेश और पाकिस्तान सीमा होगी अभेद्य : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा को अत्याधुनिक तकनीक से लैस 'स्मार्ट बॉर्डर' में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रही है और अगले एक वर्ष के भीतर अभेद्य सीमा सुरक्षा ग्रिड तैयार कर लिया जाएगा। विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलंकरण समारोह और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय बहुत जल्द ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरों और अन्य तकनीकों से लैस स्मार्ट बॉर्डर परियोजना देश के सामने प्रस्तुत करेगा। शाह ने कहा कि दो महीने के अंदर ही मोदी सरकार बीएसएफ और सभी सीएपीएफ के जवानों के कल्याण के लिए एक बहुत बड़ा कार्यक्रम लाएगी। इसके बाद हमारे जवान सुनिश्चित होकर सीमाओं की सुरक्षा कर सकेंगे और उनके परिवारजनों की चिंता भारत सरकार का गृह मंत्रालय करेगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर कॉन्सेप्ट के तहत सीमा सुरक्षा बल की सुरक्षा व्यवस्था में सभी प्रकार की आधुनिक तकनीकों को समाहित किया जा रहा है, जिससे बीएसएफ का काम न केवल आसान होगा बल्कि और अधिक मजबूत भी बनेगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने तय किया है कि बीएसएफ की स्थापना के 60वें वर्ष तक गृह मंत्रालय 6,000 किलोमीटर लंबी सीमा पर एक समान डिजाइन वाला स्मार्ट बॉर्डर स्थापित करने के लिए तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बीएसएफ जवानों को भरोसा दिलाया कि इस परियोजना के लागू होने के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान से लगी पूरी सीमा को और अधिक अभेद्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया है कि हम न केवल घुसपैठ को रोकेंगे, बल्कि एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुन कर देश से बाहर निकाल देंगे और अपनी जनसांख्यिकी में कृत्रिम बदलाव नहीं होने देंगे। सीमा सुरक्षा बल को जनसांख्यिकी में बदलाव करने के षड्यंत्र को रोकना होगा। गृहमंत्री ने कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से सीमाओं की सुरक्षा संभव नहीं है। राज्य पुलिस, सशस्त्र बलों, अन्य अर्धसैनिक बलों, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एससीबी), खुफिया एजेंसियों और राज्य प्रशासन के साथ मिलकर सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को अलग-थलग कार्य के बजाय क्षेत्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखने की आवश्यकता है।

भारत ने काबुल भेजी 20 टन चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली/काबुल। भारत ने अफगानिस्तान के बाल टीकाकरण कार्यक्रम को मजबूती देने के लिए 20 टन महत्वपूर्ण चिकित्सा सामग्री की एक खेप काबुल भेजी। यह सामग्री मुख्य रूप से बीसीजी, टेटनस एवं डिप्थीरिया टीकों के निर्माण और रखरखाव के लिए भेजी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि भारत स्वास्थ्य क्षेत्र में अफगानिस्तान के मित्रवत लोगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान वर्तमान में स्वास्थ्य सुविधाओं और आवश्यक दवाओं की भारी कमी से जूझ रहा है। भारत की ओर से भेजे गए इस चिकित्सा सामग्री से वहां के बच्चों के लिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को बिना किसी रुकावट के चलाने में मदद मिलेगी, जिससे डिप्थीरिया, टेटनस और टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकेगा।

विहिप ने दिल्ली सरकार के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। आगामी बकरीद पर्व को लेकर दिल्ली सरकार की ओर से जारी किए गए सख्त और स्पष्ट दिशा-निर्देशों का विश्व हिंदू परिषद (विहिप), इन्द्रप्रस्थ ने आम नागरिकों की सुविधा के लिए एक बेहतरीन कदम बताया। विहिप इन्द्रप्रस्थ के प्रान्त मंत्री सुरेन्द्र गुप्ता ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा के जनहित, स्वच्छता और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिए गए निर्णय अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि गौवंश, गाय, बछड़ा, ऊंट व अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी को पूर्णतः गैरकानूनी घोषित करना और उल्लंघनकर्ताओं पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का प्रावधान हिंदू समाज की सांस्कृतिक व धार्मिक भावनाओं का सच्चा सम्मान है। विहिप ने सार्वजनिक स्थलों, गलियों और सड़कों पर कुर्बानी को प्रतिबंधित करने और केवल वैध स्थलों पर ही इसकी अनुमति देने के फैसले को आम नागरिकों की सुविधा के लिए एक बेहतरीन कदम बताया। सुरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि कुर्बानी के बाद अपशिष्ट (वेस्ट) को सीवर, नाली या खुले स्थानों पर फेंकने पर पूर्ण प्रतिबंध से राजधानी में बीमारियां फैलने का खतरा नहीं रहेगा।

सीबीआई ने 119 करोड़ के बैंक घोटाले में मुंबई और अहमदाबाद के 7 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में श्री हरि एक्सट्रूजन प्राइवेट लिमिटेड और जय फॉर्मूलेशन्स लिमिटेड से जुड़े सात ठिकानों पर छापेमारी की है। यह पूरी कार्रवाई 119.03 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटालों के सिलसिले में की गई है। सीबीआई ने कल दोनों कंपनियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की थी। आज उसकी ओर से दी गई जानकारी अनुसार श्री हरि एक्सट्रूजन ने पंजाब नेशनल बैंक और जय फॉर्मूलेशन्स ने भारतीय स्टेट बैंक से क्रमशः 61.98 करोड़ और 57.05 करोड़ की धोखाधड़ी की थी। श्री हरि एक्सट्रूजन का मामला पंजाब नेशनल बैंक से लिए गए कैश क्रेडिट और टर्म लोन सुविधाओं से संबंधित 61.98 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है। मुंबई के सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश की ओर से जारी तलाशी वारंट के आधार पर कंपनी के निदेशकों के आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई। आरोप है कि उसने बैंक से कैश क्रेडिट और टर्म लोन की सुविधाएं लीं। इसके बाद धोखाधड़ी का रास्ता अपनाते हुए असुरक्षित ऋण देने, सहयोगी कंपनियों के साथ फर्जी लेन-देन करने, बैंक से बिक्री का विवरण छिपाने और संबंधित पक्षों को अवैध भुगतान करके ऋण राशि का दुरुपयोग किया। जय फॉर्मूलेशन्स का मामला भारतीय स्टेट बैंक से की गई 57.05 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है।

इसिमें फंड आधारित और गैर-फंड आधारित दोनों प्रकार की धोखाधड़ी फर्जी बही-खातों के आधार पर की गई और उसके बाद ऋण राशि का गबन किया गया। अहमदाबाद की अदालत की ओर जारी तलाशी वारंट के आधार पर कंपनी के निदेशकों के आवासों पर आज छापेमारी की गई। सीबीआई के अनुसार इन दोनों ही मामलों में की गई छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

ईरान-अमेरिका को मनाने के प्रयासों में प्रगति के संकेत डेमोक्रेट ट्रंप की शक्तियों पर अंकुश नहीं लगा पाए

एजेंसी। तेहरान/वाशिंगटन

पश्चिम एशिया और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्याप्त तनाव के बीच अमेरिका-ईरान शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच प्रगति के संकेत है। मध्यस्थ देश दोनों को टकराव से पीछे हटने के लिए मना रहे हैं। कोशिश है फिलहाल दोनों स्थाई समझौता कर लें। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य अभियान संबंधी शक्तियों पर अंकुश लगाने की डेमोक्रेट्स की कोशिश सफल नहीं हो पाई है। विधेयक के लिए हाउस में लाया गया मतदान का प्रस्ताव सिरे नहीं चढ़ सका है। अल जजीरा, सीबीएस न्यूज, ईरान की आईएसएनए न्यूज़ एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच कई देशों के माध्यम से बातचीत चल रही है। दोनों पक्ष संघर्ष को खत्म करने के लिए एक समझौते का औपचारिक ढांचा तैयार करने की कोशिश में एक-दूसरे को संदेश और मसौदा भेज रहे हैं। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि समझौता करीब है, जबकि एक सूत्र ने कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि कोई अंतिम समझौता हो पाएगा या नहीं। अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को इससे पहले कहा था कि समझौते के "कुछ अच्छे संकेत" मिल रहे हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान अपने यूरेनियम के भंडार को खत्म नहीं करता है, तो उसके खिलाफ "बहुत कड़े" कदम उठाए जाएंगे। इस बीच अमेरिका में हाउस रिपब्लिकन ने ईरान युद्ध विधेयक पर मतदान को रद कर दिया। अगर ऐसा नहीं होता तो ट्रंप की शक्तियां सीमित हो जातीं और उन्हें युद्ध से पीछे हटना पड़ता।ने के लिए मजबूर करता। मतदान को जून तक के लिए टाल दिया गया है। इस विधेयक को पेश करने वाले डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, "हमारे पास पर्याप्त संख्या बल था। इसी वजह से वे एक राजनीतिक खेल खेल रहे हैं।" हाउस के डेमोक्रेटिक नेताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, "रिपब्लिकन के नियंत्रण वाला हाउस लगातार ट्रंप प्रशासन की पूरी तरह से सहायक कंपनी की तरह बर्ताव कर रहा है।" उन्होंने कहा, "रिपब्लिकन ने कायरता दिखाते हुए युद्ध शक्तियों से जुड़े प्रस्ताव पर होने वाला मतदान रद कर दिया।

दिल्ली में चक्का जाम का दोहरा असरः सब्ज़ियां महंगी, यात्री परेशान

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में ऑटो-टैक्सी हड़ताल के दूसरे दिन शुक्रवार को शहर के निवासियों को महंगाई और आवागमन दोनों मोर्चों पर दोहरा झटका लगा। 3 दिवसीय हड़ताल के कारण सब्जियों की कीमतें दोगुनी हो गईं, वहीं यात्रियों को भी गंतव्यों तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दिल्ली की सबसे बड़ी थोक मंडी, आजादपुर मंडी में सब्जियों की आवक में भारी कमी दर्ज की गई। आपूर्ति बाधित होने के कारण धनिया जैसी हरी सब्जियों की कीमत 40 से बढ़कर 100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि अदरक भी 100 से बढ़कर 120-130 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। मंडियों में केवल एक या दो दिन का ही स्टॉक बचा है, जिससे आने वाले दिनों में सब्जियों की किल्लत और बढ़ने की आशंका है। दिल्ली की जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल 20 ट्रक ही मंडी में पहुँच पाए। सब्जियों के दाम बढ़ने के अलावा, हड़ताल का असर यात्रियों पर भी पड़ा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार और मंडी हाउस मेट्रो जैसे व्यस्त स्थानों पर लोगों को यात्रा करने में परेशानी हुई। ट्रांसपोर्ट और टैक्सी यूनियनों ने दिल्ली सरकार के कमर्शियल वाहनों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति सेस बढ़ाने और सीएनजी की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में यह हड़ताल गुरुवार को शुरू की, जो 23 मई तक चलेगी।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रेलवे टेंडर घोटाले में आरोप तय करने का फैसला टला, 9 जून को होगी सुनवाई

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लांड्रिंग मामले में आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है। इसके पहले भी कोर्ट ने 6 मई को फैसला टाल दिया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 9 जून को फैसला सुनाने का आदेश दिया। कोर्ट ने 13 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। 28 जनवरी, 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को एक-एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। 19 जनवरी, 2019 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दर्ज केस में लालू यादव को नियमित जमानत दी थी। कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को रेलवे टेंडर घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत दूसरे आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने 17 सितंबर, 2018 को ईडी की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी समेत तेजस्वी यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट एलएलपी, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया,राहुल यादव, विजय त्रिपाठी, देवकी नंदन तुलस्यान, मेसर्स सुजाता होटल, विनय कोचर, विजय कोचर, राजीव कुमार रेलान और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को आरोपित बनाया है। लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने रेलमंत्री रहते हुए रेलवे के दो होटलों को आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया और होटलों की देखभाल के लिए टेंडर जारी किये थे। रांची और पुरी के दो होटलों का आवंटन कोचर बंधु की कंपनी सुजाता होटल को ट्रांसफर कर दिया था।

सीबीएसई की त्रिभाषा नीति को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नई त्रिभाषा नीति को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष आज वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मेंशन करते हुए कहा कि सीबीएसई की नई तीन भाषा नीति में नौंवी कक्षा से दो और भाषाओं को पढ़ना अनिवार्य बनाया गया है। इन तीन भाषाओं में दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन करना जरुरी है। रोहतगी ने कहा कि अचानक कक्षा नौ के छात्रों को दो अतिरिक्त भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य करना उनकी दसवीं बोर्ड की तैयारी प्रभावित कर सकता है। वे अचानक दो भाषाएं कैसे सीख जाएंगे और दसवीं में उनकी परीक्षा देंगे। इससे छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ये नीति एक जुलाई से प्रभावी होगी। याचिका छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने दायर की है।

रेखा गुप्ता ने राष्ट्र सेविका समिति की वरिष्ठ कार्यकर्ता रुक्मिणी अक्का के निधन पर जताया शोक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका रुक्मिणी अक्का के निधन पर दुख जताया। रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर शोक जताते हुए कहा कि राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका रुक्मिणी अक्का के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रभाव, सेवा और संगठन के कार्यों को समर्पित किया। उनके व्यक्तित्व में संवेदनशीलता, अनुशासन और मातृशक्ति के उत्थान का अद्भुत समन्वय था। समाज और संगठन के प्रति उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा समस्त सेविका समिति परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सहकार्यवाहिका रुक्मिणी अक्का (98) का गुरुवार रात बेंगलुरु स्थित उनके निवास स्थान पर निधन हो गया। वह आयु संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। आज दोपहर एक बजे तक उनके निवास पर पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे। इसके बाद हरिश्चंद्र घाट रुद्रभूमि में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने खालिद सैफी और तसलीम अहमद की जमानत पर फैसला सुरक्षित रखा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपित खालिद सैफी और तसलीम अहमद की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया।सुनवाई के दौरान तसलीम अहमद की ओर से पेश वकील ने कहा कि बड़ी साजिश में उसकी कोई भूमिका नहीं है। तब कोर्ट ने कहा कि इसका मतलब है कि आप मानते हैं कि आपके साथ गुलफिशा फातिमा का फैसला लागू किया जाए। तब तसलीम अहमद की ओर से कहा गया कि उन्होंने ट्रायल में तेजी लाने की कोशिश की थी। अब उसे उमर खालिद के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है। सुनवाई के दौरान एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अंतरिम जमानत दी जा सकती है। वो उमर खालिद की श्रेणी में नहीं आता है। खालिद सैफी की जमानत याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने 8 अप्रैल, 2025 को खारिज कर दी थी। खालिद यूनाईटेड अगेंस्ट हेट का संस्थापक है। स्पेशल सेल ने उमर खालिद इशरत जहां, खालिद सैफी, सफूरा जरगर, गुलफिशा फातिमा, नताशा नरवाल, देवांगन कलीता और ताहिर हुसैन के खिलाफ यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज की है। फरवरी, 2020 में दिल्ली दंगों में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और काफी लोग घायल हुए थे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद को तीन दिन की सशर्त अंतरिम जमानत दी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली हिंसा मामले के आरोपित उमर खालिद को तीन दिनों अंतरिम जमानत दे दी है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने 1 जून से 3 जून तक उमर खालिद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने उमर खालिद को 1 जून को सुबह 7 बजे रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने उमर खालिद को निर्देश दिया कि वो 3 जून को 5 बजे शाम तक जेल में सरेंडर करें। कोर्ट ने उमर खालिद को एक लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अंतरिम जमानत के दौरान उमर खालिद दिल्ली-एनसीआर के बाहर नहीं जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि उमर खालिद अस्पताल छोड़कर किसी स्थान पर नहीं जाएंगे और अपने साथ एक ही मोबाइल फोन रखेंगे। उमर खालिद ने कड़कड़डूमा कोर्ट के 19 मई के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। कड़कड़डूमा कोर्ट में उमर खालिद ने अपने चाचा के निधन के बाद चेहलुम और अपनी मां की 2 जून को होने वाली सर्जरी के पहले और बाद में उनके साथ रहने के लिए 15 दिनों की अंतरिम जमानत की मांग की थी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद को पहले भी अंतरिम जमानत मिली थी और उस दौरान उसने जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया था।

फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर 'पूजा-पाठ' के नाम पर देशभर में ठगी, दो आरोपित दबोचे

नव दर्पण

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर फर्जी महिला प्रोफाइल बनाकर लोगों की भावनाओं से खेलते हुए पूजा-पाठ, तंत्र विद्या और आध्यात्मिक उपायों के नाम पर ठगी करने वाले साइबर गिरोह का मध्य जिला साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पंजाब के मोहाली से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर देशभर के लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि अभी तक आरोपित दो हजार से अधिक लोग इन आरोपितों के संपर्क में आए थे। मध्य जिले के

पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि, साइबर थाना में ई-एफआईआर संख्या 0092/26 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि सोशल मीडिया पर आध्यात्मिक उपचार करने का दावा करने वाले लोगों ने उसे निजी समस्याओं का समाधान कराने के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया। आरोपितों ने विशेष पूजा, अनुष्ठान, तंत्र विद्या और आध्यात्मिक उपाय करने का भरोसा देकर अलग-अलग किस्तों में उससे कुल 2.51 लाख रुपये ठग लिए।पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर योगराज दलाल के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने व्हाट्सएप नंबर, इंस्टाग्राम अकाउंट, आईपी डिटेल, लॉगिन सेशन और डिजिटल फुटप्रिंट का तकनीकी विश्लेषण किया। साथ ही बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन की भी गहन जांच की गई। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग पंजाब के मोहाली इलाके से मिले। इसके बाद पुलिस टीम ने फ्लैट पर छापेमारी कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान राजस्थान के श्रीगंगानगर निवासी 21 वर्षीय गणेश और 21 वर्षीय मनदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों एक ही फ्लैट में रूममेट बनकर रहते थे। गणेश दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से बीए चौथे सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहा है, जबकि मनदीप सिंह आईटीआई डीजल मैकेनिक कोर्स के साथ स्नातक की पढ़ाई पूरी कर चुका है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार आगे जांच में सामने आया कि आरोपित "ऑल प्रॉब्लम सॉल्यूशंस" नाम से संगठित साइबर ठगी नेटवर्क चला रहे थे। आरोपित इंस्टाग्राम और फेसबुक पर "जैनब खान", "मुस्कान खान", "कविता चौधरी", "जारा खान" और "इस्लाम वजीफा" जैसे नामों से फर्जी महिला प्रोफाइल बनाते थे। इन प्रोफाइल के जरिए सोशल मीडिया पोस्ट पर फर्जी सफलता की कहानियां साझा की जाती थीं। दावा किया जाता था कि एक प्रभावशाली आध्यात्मिक विशेषज्ञ ने प्रेम संबंध, विवाह, पारिवारिक विवाद या अन्य निजी समस्याओं का समाधान किया है। जब लोग इन प्रोफाइल से संपर्क करते थे तो आरोपित उन्हें अपना व्हाट्सएप नंबर भेजते थे और खुद को आध्यात्मिक विशेषज्ञ बताकर बातचीत शुरू कर देते थे। इसके बाद लोगों की निजी समस्याएं जानकर उन्हें भावनात्मक रूप से प्रभावित किया जाता था। फिर पूजा सामग्री, अनुष्ठान, तंत्र विद्या और विशेष उपायों के नाम पर किस्तों में पैसे मांगे जाते थे।पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पांच स्मार्टफोन बरामद किए हैं। इनमें फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक प्रोफाइल, व्हाट्सएप चैट, क्यूआर कोड, फोटो और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। वहीं अभी तक जांच में 2000 से अधिक लोगों के साथ संपर्क का डाटा भी सामने आया है। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है।

संघ ने रुक्मिणी अक्का के निधन पर शोक जताया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका रुक्मिणी अक्का के निधन पर दुख जताया। संघ ने उनके परिवार और समिति की समस्त बहनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से उस पुण्यात्मा को सद्गति प्रदान करने की प्रार्थना की। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को संयुक्त बयान में रुक्मिणी अक्का के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि मातृ समान रुक्मिणी अक्का के देहावसान ने हमारे भाव विश्व में एक शून्य पैदा किया है। वृद्धावस्था में शरीर शांत होना स्वाभाविक ही है किंतु दशकों के परिचय, आत्मीय संबंध के कारण मन को असहनीय वेदना होती है। रुक्मिणी का ज्ञानानुभव संपन्न जीवन एवं व्यक्तित्व एक राष्ट्र समर्पित सार्थक जीवन का प्राज्ज्वल्यमान उदाहरण हैं।उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति द्वारा हिन्दू समाज का संगठन एवं महिलाओं को संस्कार देने के इस उदात्त कार्य में वह सदैव सक्रिय रहीं। उनकी सहज मातृवत् आत्मीयता और निरंतर सक्रियता सभी को प्रभावित करती थी। उनके निधन से सेविकाएं समेत सभी एक मातृ समान अभिभावक से वंचित हुए हैं।

फर्जी फॉरेक्स ट्रेडिंग ऐप से देशभर में ठगी, छह साइबर जालसाज गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। ऑनलाइन निवेश और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पश्चिमी जिले की साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के इंदौर में चल रहे एक अवैध कॉल सेंटर पर छापा मारकर छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपित फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म "मेटा कोट्स" के जरिए देशभर के लोगों को निवेश का झांसा देकर ठगी कर रहे थे। मामले में अब तक करीब एक करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कार्तिक अग्रवाल, राजा अग्रवाल, हर्ष केशरे, निखिल भालसे, दीपक उमाथ और विपिन यादव के रूप में हुई है। पुलिस पूरे नेटवर्क की वित्तीय संरचना और अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले में आगे की जांच जारी है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त शरद भास्कर दराडे ने शुक्रवार को बताया कि, इस मामले की जांच साइबर थाना पुलिस ने दर्ज ई-एफआईआर संख्या 131/2026 के तहत की। शिकायतकर्ता मनोज चौहान ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दी थी कि उसे "आस्था मैडम" नाम बताने वाली एक महिला ने फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करने का लालच दिया। शिकायतकर्ता को "मेटा कोट्स कंपनी" नामक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। शुरुआत में फर्जी डैशबोर्ड के जरिए मुनाफा दिखाकर भरोसा जीता गया। बाद में जीएसटी, टीडीएस, पेनाल्टी और अकाउंट अनलॉक शुल्क के नाम पर लगातार रकम जमा करवाई गई। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता से 10.51 लाख रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कराए गए।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी ऑपरेशन विजय सिंह की की देखरेखा में इंस्पेक्टर विकास कुमार बुल्डाक की टीम ने जांच शुरू की।पुलिस टीम ने मोबाइल ट्रैकिंग, आईएमईआई विश्लेषण, बैंक खातों की जांच और तकनीकी निगरानी शुरू की। सैकड़ों मोबाइल नंबरों, बैंक खातों और डिजिटल ट्रेल की जांच के बाद पुलिस को मध्य प्रदेश के इंदौर में अहम सुराग मिला। पुलिस टीम ने इंदौर के आरएनटी मार्ग स्थित कॉरपोरेट हाउस बिल्डिंग में संचालित बीजेटी ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड नामक कार्यालय पर छापा मारा।

श्री राम कथा महोत्सव श्री धाम अयोध्या जी की पावन धरा पर 25 मई 2026 दिन सोमवार सुबह 7:00 भव्य कलश यात्रा कथा 31 मई 2026 तक 1 जून 2026 को पूर्णाहुति एवं भंडारा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली से पत्रकार ऊषा माहना की कलम से । कथा श्रवण समय शाम 4:00 बजे से रात्रि 7:00 बजे तक ,कथा स्थल कनक महल जानकी घाट श्रीधाम अयोध्या जी ,कथा व्यास पूज्य संत मोहित शरण जी महाराज ,इस कथा के कर्णधार मारुति नंदन पवन पुत्र श्री हनुमान जी महाराज ,इस कथा के मुख्य यजमान श्री रामास्वामी वेंकट हैदराबाद श्री राजीव कामरा मुंबई श्री अशोक कुमार गुगनानी श्री कपिल अरोरा ,भगवान श्री राम की कथा जीवन को आनंद प्रदान करने वाली संसार में कैसे रखा जाए कैसे जिया जाए यह हमें श्री राम कथा सिखाती है बिंदु जी का एक पद

है हमें निज धर्म पर चलना सिखाती रोज रामायण सिखाती रोज रामायण बताती रोज रामायण माता पिता से कैसे व्यवहार करना है भाई बंधु से कैसे व्यवहार करना है और समाज से कैसा व्यवहार करना है यहां तक की दुश्मन के साथ में दुश्मनी कैसे निभाना है यह भी स्वयं भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र जी ने बताया और यह राम कथा भवसागर से पार करने वाली हैं। इस

अमृत में श्री राम कथा में गोता लगाने के लिए आप सभी भगवत प्रेमी सादर आमंत्रित हैं अयोध्या धाम की पावन धरा पर अपने जीवन को धन नियुक्त बनाने के लिए हमारे राजीव कामरा जी कैमरा जी श्री रामास्वामी वेंकट श्री राधे श्याम वर्मा जी श्री राजेंद्र अग्रवाल जी श्री अशोक गुगनानी जी श्री कपिल अरोड़ा जी श्री राम जी गुप्ता जी श्री हरिप्रसाद शुक्ला जी श्री मुन्ना भैया दुबे जी दिल्लीः मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत वातावरण बना हुआ है। श्री धाम अयोध्या की पुण्य भूमि पर आयोजित श्री राम कथा में मुंबई निवासी समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी श्री राजीव कामरा के तत्वावधान में की जा रही है । श्री राजीव कामरा ने बताया कि कलयुग में राम कथा मानव जीवन का सबसे बड़ा सहारा है। राम कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। भगवान श्रीराम का जीवन केवल कथा नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श संविधान के समान है। उनके जीवन में पुत्र धर्म, भाईचारा, मित्रता, त्याग, सेवा, मर्यादा और राजधर्म जैसे सभी आदर्श समाहित हैं। उनके कथनानुसार जो व्यक्ति राम कथा से जुड़ता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः आने लगते हैं। कथा के माध्यम से मन को शांति, आत्मा को शक्ति और जीवन को नई दिशा प्राप्त होती है। जो जीवन की दशा और दिशा बदल देती है। श्री कामरा ने बताया कि संकटमोचन श्री हनुमान जी स्वयं राम कथा के परम उपासक हैं और जहां कहीं भी श्रद्धा से राम कथा होती है, वहां श्री हनुमान जी अदृश्य रूप से उपस्थित होकर भक्तों की रक्षा करते हैं। श्री राजीव कामरा का मानना है कि राम कथा की संगत यदि मनुष्य को एक घड़ी के लिए भी मिल जाए, तो करोड़ों पाप नष्ट हो जाते हैं और जीवन पवित्र बन जाता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिकता से जुड़ें तथा राम कथा जैसे पुण्य आयोजनों में सहभागी बनें। अयोध्या की पावन भूमि पर गूंजते श्रीराम के जयकारों और भक्ति रस से सराबोर वातावरण में श्रद्धालु भावविभोर होकर कथा श्रवण कर रहे हैं। राम नाम की महिमा और कथा की दिव्यता हर भक्त के हृदय को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सम्भल

पत्रांक- 544 / जलकल वि0/2026-27 | दिनांक :- 22.05.2026

अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना

इच्छुक संस्था/फर्म/ठेकेदार को सूचित किया जाता है कि राज्यवित्त आयोग/बोर्ड फण्ड की प्राप्त धनराशि से नगर पालिका परिषद सम्भल के जलकल विभाग में निम्न कार्य किये जाने हेतु दिनांक 05/06/2026 को 02:00 PM बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा की शर्तों का ध्यान पूर्वक अध्ययन कर लें।

क्र0सं0	नगर पालिका/NPP STAGE	ठेकेदार / VENDOR STAGE	प्रारम्भ दिनांक व समय	अंतिम दिनांक व समय
1.	Tender Release		22-05-2026 01:00 PM	
2.		Tender Release	22-05-2026 01:00 PM	
3.		BID Submission	22-05-2026 01:00 PM	
4.	Close for BID			05-06-2026,02:00 PM
5.	BID Opening			05-06-2026,03:00 PM

नोटः- वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग डॉक्यूमेन्टस ऑनलाईन देखे जा सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सम्भल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सम्भल

संक्षिप्त समाचार

नजीबाबाद पुलिस का बड़ा खुलासाः लाखों की चोरी का वांछित आरोपी जेवरात सहित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद ,नजीबाबाद। थाना नजीबाबाद पुलिस ने चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए एक वांछित अभियुक्त को चोरी के माल सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 123 ग्राम पीली धातु और 584 ग्राम सफेद धातु बरामद की है। जानकारी के अनुसार, 27 सितंबर 2025 को चौक बाजार स्थित योगेश कुमार पुत्र स्व. शांति प्रसाद निवासी मोहल्ला बालकराम की दुकान में अज्ञात चोरों ने छत के रास्ते घुसकर दरवाजा काटते हुए लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए थे। इस संबंध में थाना नजीबाबाद पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने इससे पहले 12 नवंबर 2025 को घटना का खुलासा करते हुए मुख्य अभियुक्त शुएब पुत्र जफर खान समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त फराज पुत्र जफर खान निवासी मोहल्ला सब्नीग्रान को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी फराज ने बताया कि उसने अपने साथी शुएब के साथ मिलकर दुकान की छत के रास्ते अंदर प्रवेश किया और तिजोरी तोड़कर नगदी व जेवर चोरी किए थे। चोरी का सामान प्लास्टिक के कट्टे में भरकर हरिद्वार रोड के पास छिपा दिया गया था, जबकि चोरी की गई नकदी खर्च कर दी गई। बाद में चोरी के माल का बंटवारा परिवार के अन्य सदस्यों और रिश्तेदारों में कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त फराज के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, निरीक्षक वेदपाल सिंह पुंडीर, उपनिरीक्षक विनोद कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक अवधेश शर्मा, कांस्टेबल अनुज शर्मा, कांस्टेबल शादाब और कांस्टेबल विरेन्द्र की टीम ने अंजाम दिया।

नजीबाबाद में "फर्जी छापेमारी" का खुलासाः होटल में कार्रवाई करने पहुंची टीम को पुलिस ने पकड़ा

राजन होटल में खुद को अधिकारी बताकर कर रहे थे चेकिंग, पुलिस थाने लाई

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद , नजीबाबाद। बिजनौर जिले में पिछले कई दिनों से होटलों पर कथित छापेमारी और चेकिंग कर दहशत फैलाने वाली टीम को आखिरकार नजीबाबाद पुलिस ने पकड़ लिया। शुक्रवार दोपहर नजीबाबाद स्थित राजन होटल में पहुंचे राष्ट्रीय हिंदू एकता संघ भारत के कुछ पदाधिकारियों को पुलिस ने मौके से हिरासत में लेकर थाने पहुंचा दिया। जानकारी के अनुसार, उक्त टीम बिना किसी सक्षम प्रशासनिक अधिकारी या पुलिस बल के होटल में घुसकर पूछताछ और चेकिंग जैसी कार्रवाई कर रही थी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम को अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय व्यापारियों और होटल संचालकों का आरोप है कि जिले में कई स्थानों पर इसी तरह दबाव बनाकर कार्रवाई का माहौल तैयार किया जा रहा था। लोगों के बीच चर्चा है कि खुद को अधिकारी जैसा दिखाकर होटल संचालकों पर दबाव बनाया जाता था, जिससे कारोबारियों में भय का माहौल बन गया था। राजन होटल में हुई इस घटना के बाद पूरे जिले में खलबली मच गई। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आखिर टीम किस अधिकार से होटल में "छापेमारी" कर रही थी और इसके पीछे उद्देश्य क्या था। सूत्रों के अनुसार मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है तथा कई महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की जा रही है।

मुरादाबाद में धारा-163 लागू, भीड़ लगाने पर प्रशासन सख्त

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश/जनपद में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने धारा-163 लागू कर दी है। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार बिना अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ एकत्र करने पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी व्यक्ति अस्त्र-शस्त्र, लाठी-डंडे या किसी भी प्रकार के धारदार हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर नहीं घूम सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन को जिलेभर में सतर्कता बढ़ाने तथा नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने आमजन से शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम आरटीआई परिषद की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न

हसनपुरः शुक्रवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की मासिक समीक्षा बैठक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनुपम त्यागी युवा प्रकोष्ठ के आवास पर हसनपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष यदुवंशी दीनदयाल यादव एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसका संचालन संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद सिंह एड ने किया, बैठक में अब तक लगाई गई आरटीआई को लेकर समीक्षा की गई तथा विभिन्न वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए, राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अनुपम त्यागी को प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के पद पर मनोनयन किया गया, वही इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तथा सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने मीडिया के माध्यम से बताया कि आपने जनता से पेट्रोल डीजल गैस कम खर्च करने और सोना कम खरीदने की अपील की है, उन्होंने कहा कि मै राष्ट्रीय अध्यक्ष यदुवंशी दीनदयाल यादव एडवोकेट अपील करता हूं कि आप लोग लोगो को मिलने वाली पेंशन, वेतन, तथा अन्य मुफ्त सुविधाएं और 9000 रुपए महीना का मोबाइल रिचार्ज बंद करे तथा इलेक्ट्रॉनिक कार जन प्रतिनिधियों को खरीदने के लिए प्रेरित करें तथा सहयोगियों को इलेक्ट्रॉनिक कार चलाने की व्यवस्था बनाए जिससे से देश आर्थिक संकट से उभर जाएगा, तथा इस प्रयोग से देश में भ्रष्टाचार भी कम हो जाएगा, इस मौके पर बैठक में मुख्य रूप से प्रमोद कुमार शर्मा एड, अरुण कुमार त्यागी, विजय परछा, देवेंद्र शर्मा, नीटू नागर, मोहित त्यागी, शंकर सिंह, राहुल पारछा, नन्हे सिंह सैनी एड, कविता सैनी, राधा अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, मनोज गोयल, सचिन गुप्ता, हरिश्चंद सिंह, देवेंद्र सिंह, टी पी सिंह, प्रमोद कुमार अग्रवाल, गोविंद कौशिक एड, राजकुमार अग्रवाल आदि उपस्थित रहे ।

साहनपुर चौकी में ईद-उल-अजहा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

» नजीबाबाद साहनपुर। आसाहनपुर चौकी में ईद-उल-अजहा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

साहनपुर। आगामी ईद-उल-अजहा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से साहनपुर पुलिस चौकी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का संचालन शाकिर दिश वाले ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए साहनपुर नगर पंचायत चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने लोगों से सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी न करें तथा कुर्बानी के अवशेष नगर पंचायत की गाड़ियों में ही डालें। साथ ही ब्लड को नालियों में न बहाकर उचित स्थान पर दफनाने की अपील की। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने कहा कि यदि किसी प्रकार की समस्या या शिकायत हो तो नगर पंचायत के सभासदों, चेयरमैन अथवा कर्मचारियों को तुरंत सूचित करें और किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने से बचें। इस दौरान चौकी इंचार्ज एवं सब इंस्पेक्टर कुलवीर ने कहा कि सभी लोग प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी शिकायत या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने सभी से भाईचारे और शांति के साथ त्योहार मनाने की अपील की। बैठक में सब इंस्पेक्टर मोनू, अज़ीम, शाकिर, शाहिद मेंबर, फुरकान मेंबर, इक़बाल मेंबर, ईदगाह सचिव मास्टर फराहीम, फैयाज अहमद, नौशाद सरवरी, फहीम, नवाब, लईक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।गामी ईद-उल-अजहा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से साहनपुर पुलिस चौकी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का संचालन शाकिर दिश वाले ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए साहनपुर नगर पंचायत चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने लोगों से सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी न करें तथा कुर्बानी के अवशेष नगर पंचायत की गाड़ियों में ही डालें। साथ ही ब्लड को नालियों में न बहाकर उचित स्थान पर दफनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 निवेशकों को सौंपे आवंटन पत्र

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अंतर्गत 17 निवेशकों को भूमि आवंटन पत्र प्रदान किया। सीएम योगी ने प्रदेश में नए निवेश, रोजगार व औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने पर निवेशकों को बधाई दी। वहीं निवेशकों ने भी सीएम योगी के प्रति आभार जताया।

सीएम योगी के हाथों इन्हें मिला भूमि आवंटन पत्र -सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों मंच पर इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्रा. लि. के एसके महाजन, सीईएससी ग्रीन पावर लि. के अंशुल खंडेलवाल, वेगा इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के संदीप जैन, साहू इंटरनेशनल अटायर प्रा. लि. के मनोज गोयल, क्वार्क्स टेक्नोसॉफ्ट प्रा. लि. के विपिन बिंदल, एमेड्यूज इंडिया प्रा. लि. की श्रेया अरोरा, वर्चुअल इम्प्लाई प्रा. लि. के कुमार हर्षवर्धन, समरकूल होम अप्लायंसेज लि. के संजीव कुमार गुप्ता, ऋद्धि सिद्धि पेपर्स के सुशील गुप्ता, जेएमवी एलपीएस प्रा. लि. के नीरज

सैनी, अर्सेनल इंफोसाल्यूशन प्रा. लि. के विनोद पटानी, साईंनाथ सेल्स एंड सर्विसेज प्रा. लि. के मनीष मुद्गल, एमएए पेट प्रा. लि. के कामेश अग्निहोत्री, एजीलिटी इलेक्ट्रोटेक्निक्स प्रा. लि. की प्रतिमा गर्ग-मुकेश गर्ग, एनडीएसबी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के हरिशंकर सिंह, अल्फा कम्युनिकेशन एलएलपी के संदीप सिंह व एडवांस पैनल्स एंड स्विचगियर्स प्रा. लि. के सुरेश राज जैन को आवंटन पत्र प्रदान किया।

भीषण गर्मी में डीएम की बड़ी अपीलः इंसान ही नहीं, पशु-पक्षियों के लिए भी रखें पानी

» "पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य", बरेली में शुरू हुआ प्याऊ अभियान

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच बरेली प्रशासन ने लोगों से मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखने की अपील की है। जनपद में पड़ रही तेज गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शहरवासियों से इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों की भी चिंता करने का आग्रह किया है। डीएम ने कहा कि इस समय केवल लोग ही नहीं, बल्कि गोवंश, आवारा पशु और पक्षी भी भीषण गर्मी से परेशान हैं। ऐसे में समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने घर, मोहल्ले, दुकान, कार्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करे। उन्होंने लोगों से अपील की कि जगह-जगह प्याऊ लगवाए जाएं और पेड़ों के नीचे मिट्टी के बर्तनों या पात्रों में पानी रखा जाए, ताकि पशु-पक्षियों को राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि "प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है।" उन्होंने लोगों से सामाजिक सहभागिता दिखाने और इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। डीएम का कहना है कि यदि हर नागरिक अपने आसपास एक छोटी सी पानी की व्यवस्था कर दे, तो हजारों पशु-पक्षियों और जरूरतमंद लोगों को राहत मिल सकती है। इसी क्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग ने भी शहर में विशेष अभियान शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, बाजारों और प्रमुख चौराहों पर प्याऊ लगाने तथा राहगीरों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। कलेक्ट्रेट परिसर में भी पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। प्रशासन की ओर से नागरिक सुरक्षा के वार्डनों को भी निर्देश जारी किए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी कहा गया है कि गोवंश और अन्य पशुओं के लिए सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पानी की उपलब्धता बनी रहे।

सुभाषनगर पुलिया बना शहर का 'जाम पॉइंट'

» चौपला पुल की मरम्मत ने बढ़ाई मुसीबत, स्कूल बसों से लेकर एंबुलेंस तक फंसी

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली शहर इन दिनों ट्रैफिक अव्यवस्था के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। शहर की प्रमुख जीवनरेखा माने जाने वाले चौपला पुल पर चल रहे 45 दिवसीय मरम्मत कार्य ने पूरे यातायात सिस्टम को झकझोर कर रख दिया है। भारी वाहनों के रूट डायवर्जन के बाद सबसे ज्यादा दबाव सुभाषनगर पुलिया और अंडरपास क्षेत्र पर आ गया है, जहां सुबह की पहली किरण से लेकर देर रात तक वाहनों की लंबी कतारें आम नजारा बन चुकी हैं। सड़क पर रेंगते वाहन, तेज धूप में घंटों फंसे लोग, स्कूल बसों में परेशान बच्चे और सायरन बजाती एंबुलेंस — यह तस्वीर अब रोजमर्रा की हकीकत बन चुकी है। शहर का यह इलाका अब लोगों की जुबान पर "जाम पॉइंट" के नाम से जाना जाने लगा है।

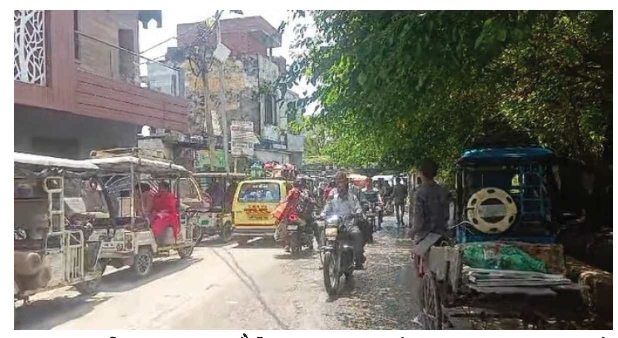

शहर की धड़कन पर ट्रैफिक का दबाव–चौपला पुल की मरम्मत के चलते प्रशासन ने भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं। ट्रकों और बड़े वाहनों को करगैना, सुभाषनगर, बीडीए कॉलोनी और मढ़ीनाथ क्षेत्र से होकर निकाला जा रहा है। लेकिन इन मार्गों की क्षमता इतनी अधिक यातायात संभालने की नहीं है। नतीजा यह हुआ कि सुभाषनगर पुलिया, मढ़ीनाथ मंदिर मार्ग, शांति विहार और चुंगी क्षेत्र पर वाहनों का दबाव अचानक कई गुना बढ़ गया। सुबह स्कूल और दफ्तर खुलने के समय हालात सबसे ज्यादा भयावह दिखाई देते हैं। कई बार लोग कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में एक से डेढ़ घंटा तक लगा देते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पहले जहां यह मार्ग सामान्य ट्रैफिक के लिए इस्तेमाल होता था, अब यहां भारी ट्रकों और बसों की लगातार आवाजाही ने पूरी व्यवस्था को चरमरा दिया है।

बच्चों की मुस्कान पर जाम का असर–सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों और अभिभावकों को उठानी पड़ रही है। सुबह समय से निकलने वाली स्कूल बसें जाम में फंसकर देर से स्कूल पहुंच रही हैं। दोपहर में छुट्टी के समय भी यही स्थिति बनी रहती है।

जुम्मे की नमाज़ में दरगाह ए आलिया नज्फे हिंद पर उमड़ा जनसैलाब

» सलाना मज़ालिस के दूसरे दिन हजारों अकीदतमंदों ने मांगी अमन-चैन की दुआ

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबादः के जोगीपुरा स्थित विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए आलिया नज्फे हिंद में आयोजित सलाना मजालिस के दूसरे दिन जुम्मे की नमाज़ के दौरान भारी संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ पड़ी। दरगाह परिसर में दूर-दराज़ से पहुंचे जायरीनों और श्रद्धालुओं ने बड़ी अकीदत के साथ नमाज़ अदा की। जुम्मे की नमाज़ मौलाना हसीन अख्तर सिरसीवी ने अदा कराई। नमाज़ के बाद देश और दुनिया में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ मांगी गई। इस अवसर पर शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने मौला अली के रोजे पर चादर पेश कर प्रदेश और देश की तरक्की व शांति के लिए दुआ की। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान की गई प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर शासन और प्रशासन के आला अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

देशभर से पहुंचे उलेमा ने की मजलिसों को खिताब–मजलिसों के सिलसिले में पहली मजलिस को मौलाना मोहम्मद असगर मैमन सादात ने खिताब किया। दूसरी मजलिस मौलाना सैय्यद शम्सी मुजफ्फरपुरी, तीसरी मुनव्वर अब्बास साखनी, चौथी मिर्जा मनाजिर साखनी, पांचवीं शौकत अब्बास मुंबई, छठी मौलाना शबाब हुसैन नोएडा, सातवीं मौलाना हम्माद मोहसिन फैजाबाद, आठवीं फैज अब्बास मशहदी लखनऊ, नौवीं नदीम असगर बनारस तथा दसवीं मजलिस मौलाना काज़िम मेहदी अरूज जौनपुर एवं गुलाम रसूल नूरी कश्मीर ने संबोधित किया।

रात नौ बजे होगी महफ़िल-ए-अहलेबैत–आज रात नौ बजे दरगाह परिसर में महफ़िल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हिन्दुस्तान के मशहूर शायर-ए-अहलेबैत अपने कलाम पेश करेंगे।

पुलिस अधिकारियों से मिले प्रशासक मौला शबाब नकवी–कार्यक्रम के दौरान प्रशासक मौला शबाब नकवी ने दरगाह परिसर में बनाए गए पुलिस टेंट में पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस मौके पर मोमिन रज़ा, नय्यर नकवी, नवाब हैदर, अब्बास नकवी, मैनेजर हुसैन मेहंदी, शब्बन मियां, अली भाई सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

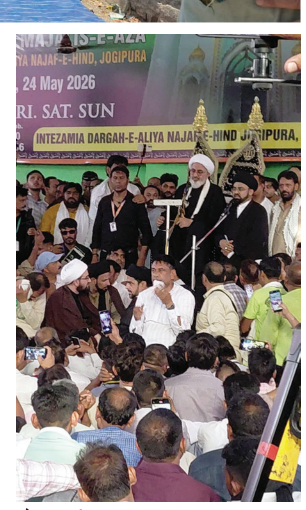

बकरा बाजार में रौनक, लाखों में बिक रहे शाहरुख, सलमान नाम के बकरे

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को हसनपुर तहसील क्षेत्र के कस्बा सैद नंगली के साप्ताहिक बाजार में बकरीद से पहले भारी रौनक नजर आई जहां इस बार पशु बाजार में पशुओं के दाम आसमान छू रहे हैं वहीं शाहरुख सलमान नाम के बकरे लगभग एक लाख रुपए से अधिक की कीमत के बेचे जा रहे हैं, वहीं इस बीच महंगाई के बावजूद 90000 तक में एक बकरा बिका, बता ते चले कि कस्बा सैद नंगली में शुक्रवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार में ईद के मध्य नजर खरीदारों और व्यापारियों की भारी भीड़ रही नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग पशु खरीदने पहुंचे जिससे दिनभर हलचल बनी रही बाजार में इस बार पशुओं के दामो में भारी उछाल देखा गया, व्यापारी ने बताया कि इस बार बाजार में सबसे महंगा बकरा 90000 में बिका है वहीं एक व्यापारी ने बताया कि शाहरुख और सलमान नाम के बकरे 100000 से ऊपर की कीमत में बेचे जा रहे हैं लेकिन अभी कोई खरीदार नहीं मिल पाया है, वही दूरदराज से भारी संख्या में ग्रामीण बाजार से पशु खरीदने के लिए शाम तक मौजूद रहे ।

5 वर्षीय बहन के मुंडन में गया 12 वर्षीय भाई गंगा में समाया, मचा कोहराम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को क्षेत्र में उसे समय हड़कंप मच गया जब गंगा स्नान को गया 12 वर्षीय सोनू गंगा में नहाते समय गहरे पानी में समा गया, बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के गांव बाटूपुरा फतेहपुर निवासी शिवराज अपने परिवार के साथ 5 साल की बेटी के मुंडन संस्कार के लिए बृजघाट गंगा तट पर गए थे। परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन इसी दौरान एक दर्दनाक हादसे ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। गंगा स्नान करते समय 12 वर्षीय सोनू पुत्र शिवराज अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना पर स्थानीय गोताखोरों और रेस्क्यू टीम ने गंगा में सोनू की तलाश शुरू की, लेकिन देर शाम तक उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गंगा किनारे हर आंख नम नजर आ रही है।

हसनपुर ब्लॉक परिसर में विद्युत चोरी तथा चीनी मिल घोटाले को लेकर भाकियू बी.आर.अंबेडकर ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर ने दि किसान सहकारी चीनी मिल कालाखेड़ा में करोड़ों रुपए के घोटाले को लेकर तथा हसनपुर नगर के ब्लॉक परिसर में बरसों से चल रही विद्युत चोरी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाते हुए ढोल नगाड़ों के साथ प्रदर्शन करते हुए एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को मुख्यमंत्री योगी आदित्य के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, भारतीय किसान यूनियन बीआर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी ने काला खेड़ा चीनी मिल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए किसानों और मिल से जुड़े करोड़ों रुपए के भुगतान में घपला किया है संगठन का आरोप है कि तोल, गन्ना पर्ची वितरण और भुगतान प्रक्रिया में बड़े स्तर पर धांधली की गई है, भाटी ने कहा कि चीनी मिल से जुड़े हजारों किसान आर्थिक तंगी झेल रहे हैं जबकि जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के हक का पैसा दबाकर रखा गया और भुगतान प्रक्रिया को जानबूझकर प्रभावित किया गया किसानों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, वही किसान संगठन ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में आरोपी सीसीओ को तत्काल प्रभावित निलंबित करने और भ्रष्टाचार की धाराओं में मुकद्दमा दर्ज करने की मांग की है साथ ही निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की बात भी कही है संगठन में चेतावनी दी है कि यदि कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, इस दौरान हसनपुर ब्लॉक परिसर में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाएं डॉ दिग्विजय सिंह भाटी ने बताया कि आजादी के बाद से अब तक ब्लॉक परिसर में बिजली मीटर नहीं लगाए गए हैं उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी आवास और अधिकारियों के घरों में कई-कई ऐसी चल रहे हैं जिससे हर महीने लाखों रुपए का राजस्व का नुक्सान हो रहा है वही किसानों ने सवाल उठाया की मामूली बिजली बिल बकाया होने पर उपभोक्ता का कनेक्शन काट दिया जाता है जबकि सरकारी परिसरों में वर्षों से बीना विद्युत मीटर के बिजली का प्रयोग हो रहा है और कोई कार्यवाही आज तक नहीं हुई है तथा जल्द ही ब्लॉक परिसर में कार्यवाही की जाने की मांग की गई, इस मौके पर धर्मपाल यादव, मतलुब, रिहान चौधरी, गौतम गुर्जर, जफर रजा, कोहली भारती, महेंद्र यादव, पवन सैनी, मेवाराम खड़कवंशी, कुलदीप सिंह, अभिषेक त्यागी, रूप सिंह खड़कवंशी, सोनू गुर्जर आदि सहित भारी संख्या में किसान मौजूद रहे ।

41वां सहरसा जिला एथलेटिक्स मीट 2026 का शुभारंभ, 370 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 41वें सहरसा जिला एथलेटिक्स मीट 2026 का भव्य उद्घाटन अपर समाहर्ता श्री निशांत कुमार द्वारा मशाल प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों एवं दर्शकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण पूरक बन चुका है और युवाओं के सर्वांगीण विकास में इसकी अहम भूमिका है। कार्यक्रम में जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष रबिंद्र कुमार सिंह (आर. के. सिंह) ने मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सहरसा में खेल का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को हर संभव प्रोत्साहन देने का आश्वासन देते हुए कहा कि जो खिलाड़ी जिला और राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव सह राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी पदाधिकारी रोशन सिंह धोनी ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि इस एथलेटिक्स मीट में जिले के लगभग 370 खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को 10 से 13 जून 2026 तक पटना में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार, भाजपा नेता श्री सिद्धार्थ कुमार सिद्धू तथा जिला साइक्लिंग संघ के सचिव दर्शन कुमार गुड्डूजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला एथलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष सैयद समी अहमद सहित शारीरिक शिक्षा शिक्षक श्री अरुण भारती, तुषार कात्यान, सनी सिंह, सूरज गुप्ता, अंशु कुमारी, डेजी भूषण, सुरेश प्रसाद सिंह, चंद्रशेखर खान, अंशु मिश्रा, मुरली यादव, हिमांशु, सुमन पोद्दार, बादल राम, सोनू, रवि यादव, राजकिशोर मुर्मू, राज्य स्तरीय कोच रोहित राज, चंद्रभूषण सिंह एवं श्वेता यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आज देर शाम तक अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जबकि कल अंडर-18 एवं अंडर-20 आयु वर्ग के खिलाड़ियों की प्रतियोगिताएं संपन्न कराई जाएंगी। यह जानकारी जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव रोशन सिंह धोनी ने दी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में मिड-डे-मिल से बच्चे बीमार, ग्रामीण बोले- खाने में जहरीले कीड़े और छिपकली मिली थी

लोकतंत्र की शानः हाजीपुर। वैशाली में महुआ थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय नीलकंठपुर (अब्दुलपुर) में मध्यान्ह भोजन खाने के बाद दर्जनों बच्चे बीमार पड़ गए। कई बच्चों के बेहोश होने की भी खबर है। उन्हें तत्काल अनुमंडल अस्पताल और आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। अस्पताल में बीमार बच्चों के पहुंचने से गहमागहमी का माहौल बन गया। बच्चों को लगातार उपचार के लिए भर्ती किया जा रहा है। बच्चों के बीमार पड़ने के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। एकता शक्ति फाउंडेशन के प्रभारी ने बच्चों के गर्मी से व्याकुल होने और अंडे व फल को लेकर कुछ अभिभावकों द्वारा राजनीति किए जाने की बात कही है। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि मध्यान्ह भोजन में विषैले कीड़े थे। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बीडीओ से मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों के मध्यान्ह भोजन में छिपकली निकली थी। जब एक बच्चे ने यह बात शिक्षक को बताई, तो शिक्षक ने उसकी पिटाई कर दी। इसी घटना से आक्रोशित होकर लोगों ने सड़क जाम कर दी। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि जब भी स्कूल में मध्यान्ह भोजन आता है, तो शिक्षक खुद नहीं खाते और बच्चों को खिलाते हैं। ग्रामीणों ने सभी संबंधित शिक्षकों का वेतन बंद करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। शक्ति एकता फाउंडेशन के मेस इंचार्ज शिव शंकर कुमार ने बताया कि खाने में किसी प्रकार के कीड़े नहीं निकले हैं। उन्होंने कहा कि एक बच्चा खाना खाने के बाद छुट्टी लेकर स्कूल से अपने घर चला गया था। उसके परिजनों ने जब उससे पूछताछ की तो उसने पेट दर्द होने का हवाला दिया। इसके बाद परिजन तुरंत बच्चे को लेकर स्कूल पहुंचे, जहां शिक्षकों ने बताया कि बच्चा छुट्टी लेकर घर गया था। इसके बाद शिक्षक और बच्चों के परिजनों में बहस छिड़ गई और आसपास के दर्जनों बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंच गए।

आइसक्रीम फैक्ट्री चोरी मामले में 3 आरोपी अरेस्ट, हाजीपुर पुलिस ने 29,400 रुपये बरामद किए

लोकतंत्र की शानः हाजीपुर। हाजीपुर गंगा ब्रिज थाना पुलिस ने मगुराही रोड हिलालपुर स्थित एक आइसक्रीम फैक्ट्री से चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के 29,400 रुपये भी बरामद किए हैं। यह चोरी बीते मंगलवार की रात हुई थी, जिसमें कुल 3,97,150 रुपये की चोरी हुई थी। सदर 1 एसडीपीओ सुबोध कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के मगुराही रोड हिलालपुर चौक स्थित आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाले चार लोगों ने कैश रूम का ताला तोड़कर 3,97,150 रुपये चुरा लिए थे। इस संबंध में गंगाब्रिज थाना में कांड संख्या 138/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर 1 के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने मानवीय और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करते हुए तीन आरोपियों को चोरी के 29,400 रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान, गिरफ्तार आरोपियों ने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया है। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। आइसक्रीम फैक्ट्री के मालिक, सादुल्लापुर निवासी शत्रुघ्न चौधरी ने अनीश कुमार, सोनू कुमार, अभिषेक कुमार और विकास कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। चौधरी ने आरोप लगाया कि इन नामजद व्यक्तियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर कैश रूम का गेट तोड़कर लगभग 30,000 रुपये के सिक्के और 3,67,150 रुपये नकद, कुल 3,97,150 रुपये चुरा लिए। चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी।

पाकिस्तान तस्कर के संपर्क में था मुजफ्फरपुर का नाबालिग

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के रतनपुर गांव के रहने वाला नाबालिग (17) का संपर्क पाकिस्तानी तस्कर शहजाद भट्टी से था। बिहार ATS ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ा है। ATS की टीम नाबालिग से पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी नाबालिग का संपर्क पाकिस्तान के कुख्यात हथियार तस्कर शहजाद भट्टी से है। उसके नेटवर्क से जुड़कर काम

करता था। एजेंसी विदेशी फंडिंग और बड़े नेटवर्क की जांच कर रही है। ATS को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर तकनीकी और डिजिटल सर्विलांस की मदद से जांच की तो मामला सही पाया। इसके बाद ATS की टीम ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग को पकड़ा है। आरोपी नाबालिग के पास से बरामद डिजिटल सबूतों से देश की सुरक्षा व्यस्था को प्रभावित करने की साजिश का खुलासा हुआ है। ATS अधिकारियों के अनुसार, आरोपी नाबालिग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप के जरिए पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था। ATS की तकनीकी टीम ने आरोपी के मोबाइल फोन की जांच की, जिसमें डिलीट किए गए डेटा, चैट बैकअप और कई डिजिटल फाइलें रिकवर की है। मोबाइल से देश विरोधी और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी राणा हुनैन से लगातार संपर्क में था। ATS की जांच में पता चला है कि आरोपी ने भारत की कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील जगहों की फोटो-वीडियो और लोकेशन पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजी थी। ATS आरोपी के बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन, कॉल डिटेल और रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और यात्रा इतिहास की जांच कर रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी फंडिंग भी की जा रही थी। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। बिहार ATS ने आरोपी के खिलाफ जासूसी, देश विरोधी गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। फिलहाल पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

देवर के अफेयर में भाभी की हत्या, पड़ोस की लड़की से लव मैरिज की थी, साला ने घर में घुसकर दागी बुलेट

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गुरुवार देर रात घर में घुसकर एक महिला को गोली मार दी गई। मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी देवर के साला पर है। मृतका की पहचान महेश पासवान की पत्नी मीना देवी(30) के तौर पर हुई है। घटना जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के गौरा वार्ड नंबर-2 की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने साक्ष्य जुटाए। प्रेम-प्रसंग में वारदात को अंजाम दिया गया है। परिजन दिनेश पासवान ने बताया मीना के देवर का पड़ोस की एक लड़की से अफेयर चल रहा था। दोनों ने हाल ही में कोर्ट मैरिज भी कर ली थी। इस रिश्ते का वो विरोध कर रही थी। इसको लेकर गांव में कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। देर रात लड़की का भाई घर पहुंचा था, जहां दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू हुई। देखते ही देखते मामला विवाद में बदल गया और बहस काफी बढ़ गई। इसी दौरान आरोपी ने हथियार निकाल लिया और मीना देवी पर गोली चला दी। गोली लगते ही जमीन पर गिर पड़ी। मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं, परिजन नीरज पासवान ने बताया कि लड़की पक्ष की ओर से पहले भी धमकी दी गई थी। लड़की के भाई ने पहले ही कहा था कि सबको देख लेंगे। उसी धमकी के बाद रात में घर में घुसकर गोली मार दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। सरैया एसडीपीओ अभिजीत कौर ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। परिजनों के बयान के आधार पर एक युवक को हिरासत में लिया गया है।

एनसीओआरडी बैठक में नशा विरोधी अभियान की समीक्षा, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनसीओआरडी (NCORD) से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले में चल रहे नशा विरोधी अभियान की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे पूर्व की भांति कोरेक्स एवं अन्य प्रचलित नशीले पदार्थों के विरुद्ध व्यापक स्तर पर छापामारी अभियान लगातार चलाएं। उन्होंने मद्य निषेध विभाग तथा जिले में कार्यरत तीनों औषधि निरीक्षकों को भी इस अभियान में सक्रिय और प्रभावी भूमिका निभाने का निर्देश दिया। बैठक में राजस्व से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे भूमि विवाद, भू-समाधान पोर्टल पर प्रविष्टि तथा आवश्यकतानुसार सरकारी भवनों के निर्माण हेतु भूमि उपलब्धता की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री निशांत कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय गर्ल्स +2 हाई स्कूल में 'सखी वार्ता' कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं को किया गया जागरूक

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः महिला एवं बाल विकास निगम, सहरसा के अंतर्गत जिला हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन (DHEW) द्वारा राजकीय गर्ल्स +2 हाई स्कूल, सहरसा में 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित योजनाओं, बाल विवाह रोकथाम, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान, महिला सुरक्षा तथा बालिकाओं से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य सहायता सेवाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। सखी वार्ता के माध्यम से छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने, शिक्षा को प्राथमिकता देने, आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही किसी भी समस्या की स्थिति में उपलब्ध सरकारी सेवाओं एवं हेल्पलाइन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक, जिला हब फॉर एम्पॉवरमेंट ऑफ वीमेन (DHEW), सहरसा एवं अनुसेवक द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजय कुमार वर्मा, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने इस पहल को छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

बाढ़ में गंगा किनारे अवैध मिट्टी खनन पर छापेमारी

लोकतंत्र की शानः पटना

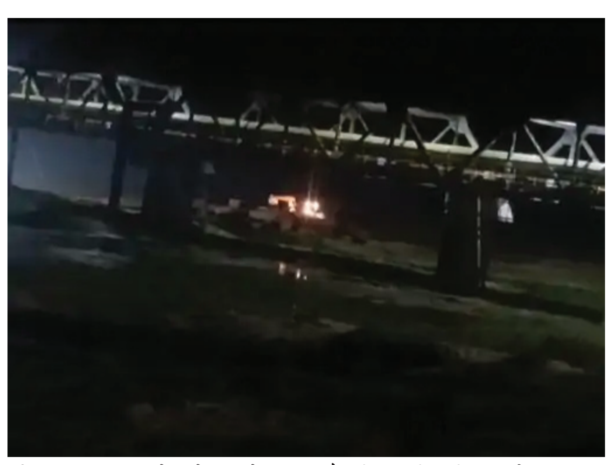

पटना के बाढ़ अनुमंडल के ढीबर गांव के समीप गंगा नदी में अवैध मिट्टी खनन का मामला सामने आया है। एनटीपीसी थाना क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कारोबार की सूचना मिलने पर एसडीपीओ रामकृष्णा ने देर रात छापेमारी की। हालांकि, कार्रवाई से पहले ही खनन माफिया मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर मिट्टी की कटाई की जा रही थी, वहीं से एनटीपीसी प्लांट को पानी की आपूर्ति होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले तीन दिनों से लगातार रातभर गंगा किनारे मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था। इस मामले में एनटीपीसी थाना की गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

खेतों में मिले 15 फीट गहरे गड्ढेः छापेमारी के दौरान पुलिस टीम को किसानों के खेतों में करीब 15 फीट गहरे गड्ढे मिले। एसडीपीओ ने इसकी सूचना तुरंत खनन विभाग को दी। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि एनटीपीसी डैम के नजदीक इस तरह की खुदाई भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पूर्व में भी बारिश के दौरान ऐसे गहरे गड्ढों में पानी भरने से कई लोगों की डूबकर मौत हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि अब किसान रातभर जागकर अपने खेतों की निगरानी कर रहे हैं।

थाना से कुछ सौ मीटर दूर चल रहा था खेल- ग्रामीणः ग्रामीणों का कहना है कि यह अवैध खनन एनटीपीसी थाने से महज कुछ सौ मीटर की दूरी पर हो रहा था, लेकिन पहले कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी के बाद एसडीपीओ रामकृष्णा ने खुद मोर्चा संभालते हुए देर रात छापेमारी की। एक स्थानीय व्यक्ति ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि जिस जमीन से मिट्टी काटी जा रही है, उसे एनटीपीसी ने अधिग्रहित कर रखा है। हालांकि, मुआवजा नहीं मिलने के कारण किसान अब भी वहां खेती करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, माफिया एक ट्रिप मिट्टी 800 रुपये में बेचते हैं। इसमें 300 रुपये ट्रैक्टर मालिक को और 500 रुपये माफिया को मिलते हैं। बताया जा रहा है कि करीब 20 ट्रैक्टर रोजाना चलते हैं और एक ट्रैक्टर लगभग 20 ट्रिप मिट्टी ढोता है। इस हिसाब से प्रतिदिन करीब 400 ट्रिप मिट्टी की बिक्री से लगभग 2 लाख रुपये की कमाई हो रही थी।

एसडीपीओ रामकृष्णा ने बताया कि, 'सूचना मिलने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई। मौके पर खनन करते हुए कोई नहीं मिला, लेकिन मिट्टी कटाई के स्पष्ट निशान पाए गए हैं।' उन्होंने कहा कि, 'इस तरह की गतिविधियों से पर्यावरण समेत कई गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अब पुलिस स्वयं इस इलाके की निगरानी करेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि अनुमंडल क्षेत्र में कहीं भी अवैध मिट्टी कटाई की सूचना तुरंत दें। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।' एसडीपीओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों से हटकर कोई भी अवैध गतिविधि पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना में छात्रा से बॉयफ्रेंड ने किया रेप, बोली- डराकर संबंध बनाया

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना में SSC की तैयारी कर रही छात्रा पर चाकू से हमला हुआ है। लड़की की उम्र 26 साल है। उसने पुलिस को बताया कि गुरुवार देर रात को बॉयफ्रेंड ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। इस दौरान वो उसके साथ संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। लड़की ने विरोध किया तो प्रेमी ने गर्दन और हाथ पर चाकू से हमला कर दिया। बॉयफ्रेंड ने चाकू की नोंक पर उसके साथ संबंध बनाया। घायल छात्रा बदहवास हालत में इलाज कराने IGIMS पहुंची, जहां से पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र की मछली गली इलाके का है।

लड़की ने पुलिस को बताया कि, अक्टूबर 2025 में मेरी पहचान मधेपुरा के रहने वाले मनीष यादव से हुई थी। हम दोनों IGIMS में डेटा ऑपरेटर के तौर पर काम करते थे। यहीं काम के दौरान हमारी बातचीत शुरू हुई। इसके बाद नंबर एक्सचेंज हुए। हम बाहर भी एक-दूसरे से मिलने लगे। उसने मुझे प्रपोज किया, मैंने भी हां कर दिया। उसने मुझसे कहा था कि हम जल्द शादी कर लेंगे। इस दौरान हम दोनों के बीच कई बार संबंध बने। मैं बिहार SSC की तैयारी करती थी, इसलिए मैंने नौकरी छोड़ दी थी। मैं कदमकुआं इलाके के एक हॉस्टल में रहकर तैयारी करने लगी। इस दौरान भी हमारा मिलना-जुलना जारी रहा। मैं जब भी उससे शादी की बात करती वो गुस्से में आ जाता। हमारा वो दिन खराब हो जाता।

किशनगंज, अररिया समेत 4 जिलों में झमाझम बारिश

लोकतंत्र की शानः पटना

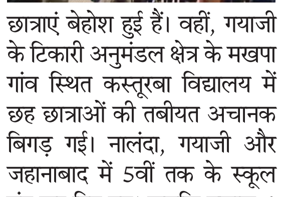

बिहार के 14 जिलों में आज हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने इन जिलों में लोगों से दोपहर के वक्त घरों में ही रहने की अपील की है। शेखपुरा, सासाराम में तापमान 40°C के पार है। अररिया में मौसम बदला है। 12 बजे बाद मूसलाधार बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज यहां बारिश का अलर्ट किया किया था। आकाशीय बिजली से एक शख्स की भी मौत हुई है। किशनगंज में भी बारिश हुई है। सुपौल में भी मौसम बदला और बारिश हुई। इसके अलावा जहानाबाद में भी अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। तेज धूप से बिहार के कई शहरों में सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। जमुई के स्कूल में गर्मी से छात्राएं बेहोश हुई हैं। वहीं, गयाजी के टिकारी अनुमंडल क्षेत्र के मखपा गांव स्थित कस्तूरबा विद्यालय में छह छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। नालंदा, गयाजी और जहानाबाद में 5वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए। जबकि क्लास 6 से आठवीं तक सुबह 10:30 और 11 बजे तक ही पढ़ाई होगी। पटना में भी 26 मई तक क्लास 5वीं तक के सभी स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं। औरंगाबाद में भीषण गर्मी के चलते क्लास 8वीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। 9वीं से 12वीं तक सुबह 11.30 तक क्लास का संचालन होगा।

मंत्री नंदकिशोर राम बोले-तेजस्वी विद्वान आदमी हैं, कहा- फ्रेम में बने रहने के लिए उनका बोलते रहना जरूरी

लोकतंत्र की शानः पटना

बिहार सरकार के मंत्री ने तेजस्वी यादव को विद्वान आदमी कहा। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंदकिशोर राम ने तेजस्वी यादव के लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठाने पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह नेता प्रतिपक्ष हैं, विद्वान आदमी हैं, लाजमी है कि बोलते रहना है। आखिर उनके फ्रेम में कैसे लोग आएगा। बिहार में लॉ एंड ऑर्डर उनकी समझ में बिगड़ा हुआ है, लेकिन हमारी समझ में नहीं। वहीं, राहुल गांधी का पीएम मोदी पर दिए गए टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कब क्या कहेंगे यह उनकी अपनी समझ है। विपक्ष द्वारा बिहार सरकार का खजाना खाली होने के बात पर मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में बोलने की आजादी है, जिन्हें जो समझ है वह बोल रहे हैं।

बिहार में अकादमिक ट्रेडीशन काफी अच्छा हैः दरअसल, आज अधिवेशन भवन में बिहार पशु विज्ञान यूनिवर्सिटी में आज चौथे कॉन्वोकेशन का आयोजन किया गया था। इस दौरान बिहार के राज्यपाल भी मौजूद रहे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन ने कहा कि बिहार में अकादमिक ट्रेडीशन काफी अच्छा बना हुआ है। मैं जब से राज्यपाल बनकर आया हूं, तब से मैं यह चौथा कॉन्वोकेशन अटेंड कर रहा हूं। मैं सभी को बहुत बधाई देता हूं। यह एनिमल साइंस का जो डोमेन है वह काफी महत्वपूर्ण है। बिहार अभी भी काफी हद तक रूरल बेस्ड है। इसकी जितनी एनालिसिस और रिसर्च हो, उतनी कम है। किसी भी चीज में आज के समय मॉडर्नाइजेशन जरूरी है। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर हम चीजों को बेहतर बना सकते हैं।

मूल्य नियंत्रण के लिए सरकार काम करेगीः वहीं, 2 रुपये दूध के दाम बढ़ने पर मंत्री ने पत्रकार से कहा कि यह बात आपके द्वारा मेरे संज्ञान में दी जा रही है। मूल्य नियंत्रण के लिए सरकार काम करेगी और हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर मूल्य क्यों बढ़ा है। महंगाई बढ़ने पर उन्होंने कहा कि यह वैश्विक समस्या है दुनिया के सभी देश इससे परेशान है। कुछ परेशानियां अभी रहेगी। कुछ बढ़ भी सकती हैं और घट भी सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

फरीदाबाद में पांच एकड़ मे बनेगा वॉटर बूस्टर स्टेशन, दूर होगी पानी की किल्लत

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। एनआईटी विधानसभा में पानी के समान बंटवारा ना होने की शिकायत सीएम सैनी के सामने रखने के बाद अब पानी की किल्लत को दूर करने की कवायद फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने शुरू कर दी है। पानी की कमी को दूर करने के लिए करीब 250 करोड़ रुपए की लागत से बाजड़ी गांव में पांच एकड़ जमीन पर एक बड़ा वॉटर बूस्टर स्टेशन तैयार किया जाएगा। इस परियोजना के तहत मंझावली रैनीवेल से सीधे बाजड़ी तक नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जिससे इलाके में पानी की सप्लाई मजबूत हो सके। एनआईटी विधायक सतीश फागना ने हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि एनआईटी में जरूरत के मुकाबले बेहद कम पानी पहुंच रहा है और पानी वितरण में संतुलन नहीं रखा जा रहा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एफएमडीए और नगर निगम अधिकारियों को समान रूप से पानी वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। विधायक सतीश फागना ने बताया कि, एनआईटी विधानसभा में करीब पांच लाख की आबादी रहती है, जहां प्रतिदिन लगभग 60 एमएलडी पानी की आवश्यकता है, लेकिन वर्तमान में करीब 30 एमएलडी पानी ही उपलब्ध हो पा रहा है। पानी की कमी को पूरा करने के लिए लगाए गए करीब 150 ट्यूबवेल भी अब ज्यादा असरदार साबित नहीं हो रहे, क्योंकि कई ट्यूबवेल सूख चुके हैं। बता दें कि, जिला निगरानी समिति की बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने भी एनआईटी क्षेत्र में पानी की कम सप्लाई पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने अधिकारियों से सवाल किया था कि आखिर एनआईटी क्षेत्र के साथ अलग व्यवहार क्यों किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पानी की बर्बादी रोकने के लिए इलाके में चल रहे वॉशिंग सेंटरों पर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए थे। विधायक सतीश फागना का कहना है कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पानी आपूर्ति बढ़ाने और बाजड़ी बूस्टर परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। वहीं एफएमडीए के मुख्य अभियंता विशाल बंसल के अनुसार, प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है और बूस्टर निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

हरियाणा रोडवेज की बसों में दिव्यांगों के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा लागू

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों को बड़ी राहत देते हरियाणा रोडवेज की बसों में 40 प्रतिशत से 99 प्रतिशत तक दिव्यांगजनों को मुफ्त यात्रा सुविधा लागू कर दी है। यह सुविधा पूरे हरियाणा के साथ-साथ दिल्ली और चंडीगढ़ क्षेत्र तक लागू होगी। परिवहन विभाग की ओर से मुफ्त बस यात्रा की अधिसूचना जारी कर दी गई है। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू की ओर से हरियाणा राज्य परिवहन के महानिदेशक को निर्देश दिए गए हैं कि रोडवेज की बसों में दिव्यांगजनों के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा लागू की जाए। परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से शुक्रवार को दिव्यांगों को लेकर जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि वित्त विभाग की स्वीकृति के बाद इसे लागू किया गया है। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर व्यवस्था को प्रभावी ढंग लागू करें(हालांकि, यह सुविधा केवल हरियाणा के निवासियों को मिलेगी। इसके लिए पात्र दिव्यांग व्यक्तियों को यूडीआईडी (यूनिक दिव्यांग पहचान-पत्र) कार्ड बनवाना अनिवार्य होगा, जिसे यात्रा के दौरान मांगने पर दिखाना होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि 100 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति के साथ एक सहायक/अटेंडेंट को भी निशुल्क यात्रा की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी, लेकिन यह सुविधा केवल उसी स्थिति में मान्य होगी जब सहायक दिव्यांग व्यक्ति के साथ यात्रा कर रहा हो। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से दिव्यांगजन संगठनों द्वारा सार्वजनिक परिवहन में अधिक सुविधाएं देने की मांग उठाई जा रही थी। ऐसे में यह फैसला हजारों जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाने वाला साबित होगा। वहीं, दिव्यांगजनों ने भी सरकार द्वारा मुफ्त यात्रा सुविधा शुरू करने का सराहना करते हुए इस फैसले को सामाजिक संवेदनशीलता और दिव्यांग अधिकारों की दिशा में बड़ा कदम बताया।

यमुनानगरः तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपती को कुचला, महिला की मौत

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। हिमाचल प्रदेश से उत्तर प्रदेश लौट रहे दंपती की मोटरसाइकिल को यमुनानगर में एक तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी 33 वर्षीय शबनम खातून के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों की मां थी। हादसे के समय वह अपने पति मोहम्मद फियाज के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश के बद्दी से अपने गांव लौट रही थी। मोहम्मद फियाज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बद्दी में फास्ट फूड सप्लाई का कार्य करता है।शुक्रवार को जब वे औरंगाबाद रेस्ट एरिया से आगे सहारनपुर मार्ग स्थित पुल के निकट पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक स्विफ्ट कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शबनम सड़क पर गिर गई और कार उसके ऊपर से गुजर गई, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की सहायता से घायल महिला को सिविल अस्पताल यमुनानगर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सदर थाना यमुनानगर के प्रभारी कमलजीत सिंह ने बताया कि मृतका के पति की शिकायत पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा फरार चालक की तलाश जारी है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में खुलासा- अमृतसर में 2024 में हीटस्ट्रोक से हुईं थीं 78 मौतें

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। अमृतसर में वर्ष 2024 के दौरान हीटस्ट्रोक से देश में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं। इस साल जारी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार अमृतसर में 78 लोगों की मौत गर्मी और लू के कारण हुई थी। इन आंकड़ों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की इस साल चिंता इसलिए बढ़ा दी है, क्योंकि इस शहर में सालभर बड़ी संख्या में बाहरी लोग आते-जाते रहते हैं। जिला रेडक्रॉस के सचिव सैमसन मसीह ने बताया कि अमृतसर पूरी दुनिया में श्री हरमंदिर साहिब के गुरु रामदास जी लंगर हॉल में 24 घंटे मुफ्त भोजन सेवा के लिए जाना जाता है। इसके अलावा धार्मिक अवसरों पर शहरभर में अलग-अलग समुदायों की ओर से लंगर और मीठे पानी की छबीलें भी लगाई जाती हैं। इसके बावजूद हीटस्ट्रोक से इतनी बड़ी संख्या में मौतें होना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में बेसहारा अमृतसर पहुंचते हैं, जिनके पास न तो पर्याप्त संसाधन होते हैं और न ही गर्मी से बचाव के साधन। ये लोग धार्मिक स्थलों, मजारों, सड़कों और डिवाइडरों के किनारे रहते हैं, जिससे वे भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा शिकार बनते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. गुरमीत सिंह ने बताया कि मानव शरीर लगभग 37 डिग्री सेल्सियस तापमान बनाए रखने की कोशिश करता है और पसीना शरीर को ठंडा रखने का प्राकृतिक तरीका है। नमी अधिक होने और हवा कम चलने पर पसीना सही ढंग से सूख नहीं पाता, जिससे शरीर की ठंडक प्रणाली प्रभावित हो जाती है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मैदानी इलाकों, विशेषकर अमृतसर में गर्मियों के दौरान हवा का ठहराव और नमी अधिक होने से गर्मी का असर और बढ़ जाता है। पंजाब का भूगोल भी इसकी एक वजह है, क्योंकि यहां कोई बड़ा जल स्रोत नहीं है, जो तापमान को नियंत्रित कर सके। पर्यावरणविदों के अनुसार अप्रैल से जून, 2024 तक चली लंबी और तीव्र हीटवेव इसका प्रमुख कारण रही। विशेषज्ञों ने बढ़ते प्रदूषण और घटती हरियाली को भी चिंता का कारण बताया। सड़क चौड़ीकरण, फोरलेन प्रोजेक्ट, दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे, एलिवेटेड रोड, बीआरटीएस और व्यावसायिक विकास के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई है, जिससे तापमान और प्रदूषण दोनों बढ़े हैं। उधर, डिप्टी कमिश्नर दलविंदरजीत सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को इन मौतों के कारणों की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशासन हर साल पौधारोपण अभियान चलाता है, लेकिन अब पहले लगाए गए पौधों के जीवित रहने की दर की भी समीक्षा की जाएगी। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि प्रशासन की ओर से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है कि वे अधिक पानी पिएं, दोपहर के समय धूप में बाहर निकलने से बचें और हीटवेव से बचाव के उपाय अपनाएं।

18 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी जयपुर से गिरफ्तार

» नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वर्ष 2008 से चल रहा था वांछित

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड ,एजाज़ अहमद उस्मानी। नागौर। पुलिस थाना कोतवाली नागौर द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 वर्षों से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में न्यायालय द्वारा कुल पांच स्थाई वारंट जारी किए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर आशाराम चौधरी के निर्देशन तथा वृत्त नागौर के सहायक पुलिस अधीक्षक जतिन जैन के सुपरविजन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस थाना कोतवाली नागौर के थानाधिकारी वेदपाल शिवराण के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए स्थाई वारंटी राजेशसिंह उर्फ राजेन्द्रसिंह को जयपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी राजेशसिंह उर्फ राजेन्द्रसिंह पुत्र श्री प्रेमसिंह शेखावत, निवासी बरडवा तहसील डीडवाना जिला डीडवाना-कुचामन, वर्ष 2008 से फरार चल रहा था। आरोपी के खिलाफ माननीय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नागौर न्यायालय द्वारा धोखाधड़ी के विभिन्न प्रकरणों में कुल पांच स्थाई वारंट जारी किए गए थे। दिनांक 21 मई 2026 को थाना हाजा की टीम में शामिल कांस्टेबल राकेश एवं कांस्टेबल नरेन्द्र ने आरोपी को जयपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में चल रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में वांछित एवं फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पानी के किनारे तीन घंटे बैठी रही टी-17 बाघिन, पर्यटकों ने किया दीदार

संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में दिखा दुर्लभ नजारा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख लोकतंत्र की शान

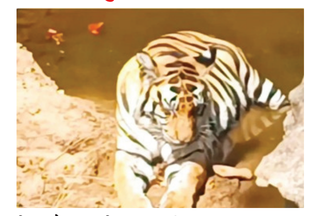

सीधी। संजय टाइगर रिजर्व में भीषण गर्मी के बीच एक दुर्लभनजारा देखने को मिला। यहां की प्रसिद्ध बाघिन टी-17 शुक्रवार को करीब तीन घंटे तक पर्यटकों के सामने एक जल स्रोत के किनारे बैठी रही। यह पहली बार है जब यह बाघिन इतनी देर तक शांत मुद्रा में पर्यटकों के करीब दिखाई दी। दोपहर लगभग 12 बजे पर्यटक सफारी के दौरान जंगल में एक जल स्रोत के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पानी के किनारे आराम कर रही टी-17 बाघिन पर पड़ी। गर्मी से राहत पाने के लिए बाघिन लंबे समय तक वहीं बैठी रही, जिससे पर्यटकों को उसे करीब से देखने का मौका मिला। पर्यटकों ने इस पल को अपने कैमरों में कैद कर लिया। बाघिन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए, जहां लोगों ने उसके शांत स्वभाव और शाही अंदाज की सराहना की। कई पर्यटकों ने इस अनुभव को अपनी सबसे यादगार जंगल सफारी बताया। गर्मी के मौसम में वन्यजीव अक्सर जल स्रोतों के आसपास सक्रिय हो जाते हैं, जिससे पर्यटकों को उन्हें देखने के अधिक अवसर मिलते हैं। टी-17 बाघिन का इस तरह लंबे समय तक खुले में दिखना वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक रोमांचक अनुभव रहा। इस वीडियो के सामने आने के बाद पर्यटकों में एक बार फिर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। टाइगर रिजर्व प्रबंधन को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जंगल सफारी के प्रति लोगों का आकर्षण और बढ़ेगा।

इनका कहना है। गर्मी के कारण जंगली जानवर अक्सर पानी वाले क्षेत्रों के पास आते हैं और ठंडक पाने के लिए वहीं रुकते हैं। इसी वजह से यह बाघिन पर्यटकों को आसानी से दिखाई दी। राजेश कन्ना टी, डीएफओ संजय टाईगर रिजर्व।

मझौली में कलेक्टर व एस डीएम का आदेश बना मजाक

» एसडीएम के 3 माह व कलेक्टर के आदेश का 11 माह बाद भी नहीं हुआ पालन

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कलेक्टर एवं उपखंड अधिकारी के द्वारा समय-समय पर प्रशासनिक व्यवस्था के तहत कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जाता है लेकिन जब उन्हीं के आदेश का महीनों तक पालन न हो तब ऐसे आदेश मजाक बन जाते हैं और क्षेत्र में चर्चा के विषय बन जाते हैं। इन दिनों तहसील मझौली एवं कुसमी में पदस्थ प्रवाचकों के मामले प्रकाश में आए हैं। जिले के तहसील मुख्यालय मझौली में प्रवाचक के रूप में लंबे समय से कार्य कर रहे सुरेंद्र कुमार द्विवेदी को लापरवाही एवं उदासीनता के चलते उपखंड अधिकारी मझौली के द्वारा आदेश दिनांक 17 मार्च 2026 के तहत प्रवाचक के कार्यों से पृथक करते हुए तहसील मड़वास में संबद्ध किए जाने का आदेश जारी किया गया है लेकिन आदेश जारी होने के तीन माह बाद भी आरोपित प्रवाचक तहसील मुख्यालय मझौली में ही कार्यरत है। जारी आदेश में कहा गया है कि कार्यालय उपखंड अधिकारी मझौली के आदेश क्रमांक 232/प्रवा/2026 दिनांक 17 मार्च 2025 न्यायालय उपखंड अधिकारी के प्रकरण क्रमांक 102 अपील 2020-21 कुसुमवती बैश बनाम मु हेमकली तिवारी वगैरा सा ताला के निराकरण हेतु तहसीलदार तहसील मझौली को 2023 से 2026 के मध्य कई दिनांक में एवं प्रकरण क्रमांक 132 अपील 2020-21 बिहारी यादव वगैरा बनाम सूर्यदीन बगैरा सा नौढ़िया के निराकरण हेतु तहसीलदार मझौली को वर्ष 2022 से 2025 के मध्य कई दिनांक में पत्र प्रेषित किए जाने के बावजूद अपीलाधीन मूल प्रकरण उपलब्ध नहीं कराने से प्रचलित अपील प्रकरण 5 वर्ष से ऊपर कालावधि में प्रचलित है।

नगर पालिका अध्यक्ष को मिला वित्तीय अधिकार

हाईकोर्ट ने पूर्व पारित आदेश को किया निरस्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। नगर पालिका परिषद सीधी की अध्यक्ष श्रीमती काजल वर्मा के वित्तीय अधिकारों पर लगाई गई रोक को आज हाईकोर्ट द्वारा हटाते हुये पूर्व की स्थिति बहाल कर दी गई है। नगर पालिका परिषद सीधी की अध्यक्ष काजल वर्मा ने कहा है कि नगर पालिका परिषद सीधी के स्थाई कर्मचारी बृजेश सिंह गोरे द्वारा उच्च न्यायालय में डब्ल्यूपी नं. 11116/2026 तथ्यों को छिपाकर प्रस्तुत की गई थी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संदीप एन.भट्ट द्वारा दिनांक 6 अप्रैल 2026 को अंतरित आदेश पारित करते हुये मेरे वित्तीय अधिकारों के प्रयोग में रोक लगा दी गई थी। नपाध्यक्ष ने आगे कहा कि उनके द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया गया तथा उत्तर प्रस्तुत कर आदेश दिनांक 6 अप्रैल 2026 को वापस लिये जाने बावत आवेदन पत्र भी प्रस्तुत किया। जिस पर आज दिनांक 22 मई 2026 को उच्च न्यायालय द्वारा सुनवाई की गई तथा आदेश दिनांक 6 अप्रैल 2026 जिसके आधार पर वित्तीय अधिकारों के प्रयोग में रोक लगाई गई थी को वेकेट (वापस) कर दिया गया। इसके साथ ही आज दिनांक 22 मई 2026 से वित्तीय अधिकारों पर लगा रोक आदेश दिनांक 6 अप्रैल 2026 निष्प्रभावी हो गया है। रिट याचिका को अंतिम सुनवाई हेतु आगे नियत किये जाने का आदेश दिया गया। नपाध्यक्ष काजल वर्मा ने आगे कहा है कि बृजेश सिंह गोरे निकाय के स्थाई कर्मचारी हैं जिन्हें ऐसी याचिका प्रस्तुत करने का विधि के अधीन कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने अपने पदीय कर्तव्यों के अधीन कार्य न कर घोर अनुशासनहीनता की है, जिसके संबंध में समुचित कार्यवाही की जायेगी।

नगर पालिका में अटके हुये थे काफी भुगतान

नगर पालिका परिषद सीधी में इस प्रकरण के कारण बीते कई महीनों से नगर पालिका में वित्तीय स्वीकृत देने में दिक्कतें हो रहीं थीं। क्योंकि बहुत से चेक में अध्यक्ष और सीएमओ दोनो के हस्ताक्षर होते हैं, अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार पर रोक लग जाने के कारण कई भुगतान अटके हुये थे। अब जबकि हाईकोर्ट ने इस मामले में नगर पालिका अध्यक्ष के वित्तीय अधिकारों को वापस कर दिया गया है तो फिर से सभी स्थिति सामान्य हो जायेगी।

गौवंश की सेहत से खिलवाड़? माधव गौशाला में घटिया पशु आहार मिलने से मचा हड़कंप

लोकतंत्र की शान, मेड़ता रोड/ नागौर ,एजाज़ अहमद उस्मानी।

डेगाना (नागौर)। डेगाना उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत किरड़ स्थित श्री माधव गौशाला सेवा समिति एक बार फिर विवादों में आ गई है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद प्रशासन द्वारा कराई गई जांच में गौशाला संचालन से जुड़ी कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। जांच के दौरान रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने के साथ-साथ गौवंश को निम्न गुणवत्ता का पशु आहार दिए जाने के आरोप भी सही पाए गए हैं। अब प्रशासन पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की तैयारी में जुट गया है। जानकारी के अनुसार जावा गांव में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी डेगाना को ज्ञापन सौंपकर गौशाला की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए थे। ग्रामीणों का आरोप था कि गौशाला में गायों को पर्याप्त मात्रा में चारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा तथा जो पशु आहार दिया जा रहा है उसकी गुणवत्ता बेहद खराब है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गौशाला को मिलने वाली सरकारी सहायता और संसाधनों का सही उपयोग नहीं किया जा रहा तथा संचालन में पारदर्शिता का अभाव है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम डेगाना ने तत्काल जांच के आदेश जारी किए। इसके बाद गठित राजस्व टीम में राजस्व निरीक्षक पुन्दलोता सुनीता, पटवारी कितलसर तुलसीराम एवं ग्राम पंचायत किरड़ की प्रशासक वर्षा भाटी को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर गौशाला परिसर का निरीक्षण किया और रिकॉर्ड, दस्तावेजों व व्यवस्थाओं की गहन जांच की। जांच के दौरान दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों और मौके की वास्तविक स्थिति में बड़ा अंतर सामने आया। रिकॉर्ड में दर्ज व्यवस्थाएं और जमीन पर मौजूद हालात मेल नहीं खाते पाए गए, जिससे गौशाला प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए। अधिकारियों ने कई दस्तावेजों की जांच कर रिपोर्ट तैयार की है। निरीक्षण के दौरान टीम ने गौवंश के लिए रखे गए चारे और पशु आहार की गुणवत्ता भी परखी। मौके पर निम्न स्तर का पशु आहार मिलने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि घटिया चारे के कारण गौवंश के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और कई गायें कमजोर होती जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गौसेवा के नाम पर लापरवाही बरती जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि गौशाला संचालन में पारदर्शिता नहीं है और व्यवस्थाओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। उनका आरोप है कि सरकारी सहायता मिलने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। पानी, चारा और अन्य आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से गौवंश परेशान है। तहसीलदार सतीश कुमार राव ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम को जांच के लिए भेजा गया था। जांच में कई कमियां सामने आई हैं, जिनमें पानी, चारा और खाद्य सामग्री की व्यवस्थाएं सुचारु नहीं पाई गईं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी तथा रिपोर्ट के आधार पर गौशाला प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशील ढंग से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।<गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी त्वरित सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

झारखंड से भटककर सीधी जिले के मड़वास पहुंची मासूम बच्ची, थाना प्रभारी ने परिजनों को सुरक्षित सौंप

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के मड़वास थाना क्षेत्र में मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल देखने को मिली, जहां झारखंड से भटककर आई लगभग 6-7 वर्षीय मासूम बच्ची को मड़वास पुलिस ने सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाया। जानकारी के अनुसार बच्ची अपने परिवार से बिछड़कर भटकते हुए मड़वास पहुंच गई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मड़वास मौके पर पहुंचे और बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेकर पूछताछ शुरू की। बच्ची द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए परिजनों से संपर्क स्थापित किया। बच्ची की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारी द्वारा उसे अस्थायी रूप से एक सुरक्षित परिवार के यहां रखा गया। इसके बाद परिजनों के मड़वास पहुंचने पर वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बच्ची को सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने मड़वास पुलिस की इस सराहनीय पहल की जमकर प्रशंसा की है।

राजकीय विद्यालय में समर कैंप व समाज सेवा शिविर का आयोजन

विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

लोकतंत्र की शान,मेड़ता रोड ,एजाज़ अहमद उस्मानी।

मेड़ता रोड। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जारोड़ा कलां में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समर कैंप एवं समाज सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल गतिविधियों एवं स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। समर कैंप के तहत कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकूद सहित कई मनोरंजक एवं शारीरिक विकास से जुड़े खेल खिलाए गए। खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में टीम भावना, अनुशासन एवं आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में भाग लिया और आनंद उठाया। वहीं कक्षा 12 के विद्यार्थियों द्वारा समाज सेवा शिविर के अंतर्गत विद्यालय परिसर एवं गांव में स्थित तालाब पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा ग्रामीणों को भी साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए श्रमदान किया। इस अवसर पर पीईईओ मोहम्मद अख्तर नदीम ने कहा कि "समर कैंप और समाज सेवा जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों के मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहना चाहिए, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें।" वहीं उपप्रधानाचार्य सुरेश चंद निंदावत ने कहा कि "विद्यालय में आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग एवं सेवा भावना का विकास करते हैं। स्वच्छता अभियान से विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी अनुभव होता है।" कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों के उत्साह एवं सहयोग की सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

आतंकी हमजा बुरहान की हत्या का आरोपी हथियार समेत गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पुलवामा हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की हत्या के मामले में मुजफ्फराबाद के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (CTD) ने अब्दुल्ला कमाल नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अब्दुल्ला कमाल पाकिस्तान के वाह कैंट का रहने वाला है। कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से हथियार भी बरामद किया गया। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हत्या में इसी हथियार का इस्तेमाल हुआ था या नहीं। दो अन्य संदिग्ध मौके से भाग निकले। आरोपी अब्दुल्ला कमाल की फोटो भी सामने आई है। हमजा बुरहान 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शामिल था। जिसमें CRPF काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था, जिसमें 40 जवान शहीद हुए थे। हमजा बुरहान को इस्लामाबाद के फातिमा स्कूल में दफनाया गया। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक हमजा पर गुरुवार को मुजफ्फराबाद के AIMS कॉलेज के बाहर हमलावरों ने कई गोलियां चलाईं, जिनमें से तीन उसके सिर में लगीं। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हमजा बुरहान जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले का रहने वाला था। वह पहले आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा था और बाद में अल बराक के लिए काम करने लगा। वह मुजफ्फराबाद के चीला बांदी इलाके में भारी सुरक्षा के बीच रह रहा था। उसके पास कमांडो सुरक्षा, बुलेटप्रूफ गाड़ी और एस्कॉर्ट वाहन भी थे। भारत ने 2022 में उसे UAPA के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी सहयोगी माना जाता था। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से भी करीबी संबंध थे। सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्नीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है।

पश्चिम एशिया तनाव के चलते नेपाल में डीजल-पेट्रोल आयात पर 34 अरब रुपये अधिक खर्च हुए

काठमांडू। पश्चिम एशिया में तनाव का असर नेपाल के वैदेशिक व्यापार पर भी दिखाई देने लगा है। इसके साथ ही ईंधन की कीमतों में वृद्धि और लगातार मजबूत हो रहे अमेरिकी डॉलर ने व्यापार पर सीधा प्रभाव डाला है। चालू आर्थिक वर्ष के पहले 10 महीनों में नेपाल को केवल डीजल और पेट्रोल आयात पर ही पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 34 अरब रुपये अधिक खर्च करने पड़े हैं। कस्टम विभाग के शुक्रवार को प्रकाशित वैदेशिक व्यापार के आंकड़ों के अनुसार डीजल के आयात की मात्रा में कमी आई है, लेकिन इसकी कीमत काफी महंगी पड़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष अप्रैल तक नेपाल ने 11 लाख 47 हजार 657 किलोलिटर डीजल आयात किया था। इस वर्ष यानी अप्रैल २०२६ तक केवल 11 लाख 44 हजार 346 किलोलिटर डीजल आयात हुआ। यानी आयात मात्रा घटने के बावजूद खर्च में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। विभाग के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में आयातित वस्तुओं में दूसरे स्थान पर कच्चा सोयाबीन तेल

रहा। कच्चे सोयाबीन तेल के आयात पर 1०6 अरब रुपये विदेश गए हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि में इसके आयात पर 81 अरब 89 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। गत वर्ष जून से इस वर्ष अप्रैल तक डीजल आयात करने में कुल 130 अरब 93 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पिछले वर्ष इसी 10 महीने की अवधि में डीजल खरीदने पर 1०2 अरब 38 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस प्रकार, इस वर्ष केवल डीजल के लिए ही करीब 28 अरब 55 करोड़ रुपये अतिरिक्त भुगतान करना पड़ा है। इसी तरह, नेपाल के प्रमुख आयातित वस्तुओं में तीसरे स्थान पर रहने वाले पेट्रोल पर भी इस वर्ष अधिक रकम खर्च करनी पड़ी है। इस वर्ष पेट्रोल आयात पर 58 अरब 63 करोड़ रुपये विदेश गए हैं, जबकि पिछले आर्थिक वर्ष की समान अवधि में यह रकम 53 अरब 5 करोड़ रुपये थी। अर्थात् 10 महीनों में पेट्रोल आयात पर 5 अरब 48 करोड़ रुपये अधिक खर्च हुए हैं। खाना पकाने वाली एलपी गैस के आयात पर 46 अरब 13 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि में 51 अरब 81 करोड़ रुपये का गैस आयात किया गया था।

संघ ने रुक्मिणी अक्का के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका रुक्मिणी अक्का के निधन पर दुख जताया। संघ ने उनके परिवार और समिति की समस्त बहनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से उस पुण्यात्मा को सद्गति प्रदान करने की प्रार्थना की। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को संयुक्त बयान में रुक्मिणी अक्का के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि मातृ समान रुक्मिणी अक्का के देहावसान ने हमारे भाव विश्व में एक शून्य पैदा किया है। वृद्धावस्था में शरीर शांत होना स्वाभाविक ही है किंतु दशकों के परिचय, आत्मीय संबंध के कारण मन को असहनीय वेदना होती है। रुक्मिणी का ज्ञानानुभव संपन्न जीवन एवं

व्यक्तित्व एक राष्ट्र समर्पित सार्थक जीवन का प्राज्वल्यमान उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति द्वारा हिन्दू समाज का संगठन एवं महिलाओं को संस्कार देने के इस उदात्त कार्य में वह सदैव सक्रिय रहीं। उनकी सहज मातृवत् आत्मीयता और निरंतर सक्रियता सभी को प्रभावित करती थी। उनके निधन से सेविकाएं समेत सभी एक मातृ समान अभिभावक से वंचित हुए हैं। संघ आदर्श के मेरु सदृश सूर्यनारायण राव परिवार के उस पीढ़ी की आखरी कड़ी भी अब नहीं रही। रुक्मिणी अक्का अब स्मृतिशेष हैं। 98 वर्षीय रुक्मिणी अक्का का गुरुवार रात बेंगलुरु स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। वह उम्रजनित समस्याओं से जूझ रही थीं।

नीति आयोग की रिपोर्ट में चमका छत्तीसगढ़ का उसूर ब्लॉक , देशभर में मिला दूसरा स्थान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नीति आयोग द्वारा जारी आकांक्षी ब्लॉक्स की "चैंपियनस ऑफ द क्वार्टर" (अक्टूबर–दिसंबर 2025) रिपोर्ट में बीजापुर जिला के उसूर ब्लॉक ने सेंट्रल ज़ोन में पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि राज्य के दूरस्थ और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की एक बड़ी सफलता के रूप में देखी जा रही है। इस ऐतिहासिक और अभूतपूर्व उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने आज शुक्रवार को जिले के नागरिकों, जिला प्रशासन और विशेषकर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उसूर ब्लॉक की यह राष्ट्रीय सफलता बेहद गौरवशाली है। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि हमारी सरकार की नीतियां और योजनाएं अब प्रदेश के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पूरी प्रामाणिकता के साथ पहुंच रही हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद स्वास्थ्य कर्मियों और जिला प्रशासन ने जो समर्पण दिखाया है, वह सराहनीय है। हमारा संकल्प बस्तर के हर गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कभी बुनियादी सुविधाओं से दूर और सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाने वाला उसूर ब्लॉक आज देश के लिए विकास का मॉडल बन गया है। इस सफलता का असली श्रेय हमारे जमीनी डॉक्टरों, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिन बहनों को जाता है, जिनकी दिन-रात की कड़ी मेहनत है। स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने का हमारा यह सफर लगातार जारी रहेगा। विकास की नई इबारत :कड़े मानकों पर खरा उतरा उसूरनीति आयोग ने स्वास्थ्य और सामाजिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण संकेतकों के आधार पर यह कड़ा मूल्यांकन किया था, जिसमें उसूर ब्लॉक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जिसके तहत मलेरिया, डेंगी और अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए सुदूर वनों के गांवों तक प्रभावी अभियान चलाया गया।सुरक्षित मातृत्व (संस्थागत प्रसव) :अस्पतालों में सुरक्षित डिलीवरी (संस्थागत प्रसव) की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे शिशु और मातृ मृत्यु दर में भारी कमी आई है।

एनएचएआई ने एनजीआई के साथ एक समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञता को मजबूत करने के उद्देश्य से हाल ही में नॉर्वे के जियोटेक्निकल इंस्टीट्यूट (एनजीआई) के साथ ओस्लो में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार यह सहयोग भारत के राष्ट्रीय राजमार्गों को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित और रखरखाव करने के प्रति एनएचएआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सुरंग निर्माण, ढलान स्थिरता विश्लेषण, ढलानों की निगरानी और संस्थागत क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की योजना, डिजाइन, मूल्यांकन और निगरानी में सहयोग के लिए उन्नत अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।

इस समझौते के तहत एनजीआई विभिन्न परामर्श सेवाएं प्रदान करेगा। इनमें सुरंग परियोजनाओं के लिए स्थल का विशिष्टीकरण, आगामी सुरंग परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना, परिचालन सुरंगों का संरचनात्मक मूल्यांकन और सुरक्षा लेखापरीक्षा, संभावित खतरों की पहचान करने और उपयुक्त शमन उपायों की सिफारिश करने के लिए उन्नत ढलान स्थिरता मूल्यांकन तथा ढलानों के लिए इनसार डेटा का विश्लेषण और व्याख्या तथा प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों का विकास करना शामिल है।

इस समझौते में संस्थागत क्षमता निर्माण और ज्ञान आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया गया है। दोनों संगठन प्राकृतिक आपदाओं को कम करने से संबंधित अनुसंधान और विकास पहलों पर सहयोग करेंगे। संयुक्त कार्यशालाओं, सेमिनारों, तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों और विशेष तकनीकी साहित्य के प्रकाशन के माध्यम से राजमार्ग क्षेत्र की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाया जाएगा।

यह समझौता ज्ञापन पांच वर्षों की अवधि के लिए वैध रहेगा। यह समझौता परियोजना-दर-परियोजना आधार पर लागू होगा। इससे प्रत्येक पक्ष को आवश्यकतानुसार अन्य संगठनों के साथ स्वतंत्र रूप से सहयोग करने की सुविधा मिलेगी।

एनएचएआई और एनजीआई के बीच इस सहयोग से सुरक्षित, टिकाऊ तथा विश्व स्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के विकास में तकनीकी क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। यह साझेदारी अवसंरचना विकास, प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और टिकाऊ इंजीनियरिंग पद्धतियों के क्षेत्र में भारत तथा नॉर्वे के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाती है, जिससे द्विपक्षीय संबंध और गहरे होंगे।

चंद्रपुर में बाघ के हमले में 4 महिलाओं की मौत

वन विभाग ने बढ़ाई गश्त

एजेंसी, चंद्रपुर

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही तालुका के गुंजेवाही इलाके में शुक्रवार को तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई महिलाओं पर बाघ ने हमला कर दिया। इस भीषण हमले में 4 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल बन गया है।तेंदू पत्ता सीजन के दौरान जंगल में काम करने वाले लोगों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर गंभीर हो गया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसा, गर्मी के मौसम में तेंदू पत्ता तोड़ाई शुरू होने के कारण ग्रामीण बड़ी संख्या में जंगल में जा रहे हैं। आज तड़के गुंजेवाही गांव की कुछ महिलाएं हमेशा की तरह तेंदू पत्ता संग्रह के लिए जंगल गई थीं। सुबह करीब 8 बजे के आसपास जंगल में घात लगाकर बैठे बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में चारों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और वे बाघ को जल्द से जल्द पकड़ने या नियंत्रित करने की मांग कर रहे हैं।

बाघ हमले की सूचना मिलते ही सिंदेवाही वन क्षेत्र अधिकारी अंजली सायंकर ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। वन विभाग और पुलिस टीम ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा शुरू कर दिया है। मृत महिलाओं में कवडूबाई दादाजी मोहुर्ले (45), अनुबाई दादाजी मोहुर्ले (46), संगीता संतोष चौधरी (36) और सुनीता कौशिक मोहुर्ले (33) हैं। वन विभाग ने लोगों से जंगल क्षेत्र में सावधानी बरतने की अपील की है और संबंधित इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है।

पश्चिम बंगाल में एक जून से महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य की महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए एक जून-2026 से सभी सरकारी बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य के परिवहन विभाग की ओर से जारी इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा सार्वजनिक परिवहन तक उनकी पहुंच को अधिक आसान और सुरक्षित बनाना बताया गया है।

परिवहन विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य में संचालित सभी सरकारी लघु दूरी और लंबी दूरी की बसों में महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र महिलाओं को आवेदन करना होगा, जिसके बाद उन्हें क्यूआर कोड, फोटो और लाभार्थी विवरण युक्त स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा। सरकार ने बताया है कि स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रखंड विकास अधिकारी (बीडीओ) अथवा उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में आवेदन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया के दौरान महिलाओं को पहचान संबंधी आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। अधिसूचना के मुताबिक, महिलाओं को आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र अथवा राज्य सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों के पहचान पत्र के आधार पर स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

हाई कोर्ट के आदेश पर दिल्ली एम्स की टीम करेगी दोबारा पोस्टमार्टम, फरार पति करेगा सरेंडर

भोपाल की ट्विशा शर्मा मौत प्रकरण

एजेंसी, भोपाल/जबलपुर

- सीबीआई जांच को मप्र सरकार की मंजूरी, पूर्व जज सास की जमानत पर सोमवार को सुनवाई

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की चर्चित एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में शुक्रवार को कई बड़े घटनाक्रम हुए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने दोबारा पोस्टमार्टम दिल्ली एम्स की टीम से कराने के निर्देश दिए। दूसरी ओर राज्य सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के लिए सहमति दे दी है। एक अन्य घटनाक्रम में आरोपित पति ने उच्च न्यायालय से अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान मृतका के पिता नवनिधि शर्मा की ओर से दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर सुनवाई

हुई। परिवार का आरोप था कि पहली पोस्टमार्टम प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी हुई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए न्यायालय ने आदेश दिया कि दिल्ली एम्स के निदेशक विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम गठित करेंगे, जो भोपाल आकर ट्विशा शर्मा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम करेगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नई पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीधे सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश की जाएगी। शव की स्थिति को देखते हुए अदालत ने पुलिस और एम्स प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि शव को सुरक्षित रखा जाए, ताकि फॉरेंसिक साक्ष्य प्रभावित न हों। न्यायालय ने पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने और रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सीबीआई जांच को मिली मंजूरीः ट्विशा शर्मा केस में लगातार उठ रहे सवालों और निष्पक्ष जांच की मांग के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के लिए सहमति दे दी है। गृह विभाग ने इस संबंध में जारी पत्र में कहा गया है कि कटारा हिल्स थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 133/2026 की जांच अब केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी। इससे पहले 20 मई को ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा ने रिटायर्ड सैनिकों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच और सीबीआई जांच की मांग उठाई थी। मुख्यमंत्री ने परिवार को हरसंभव सहायता और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया था।

द्विशा के पति समर्थ ने वापस ली अग्रिम जमानत याचिकाः मामले के मुख्य आरोपित और ट्विशा के पति समर्थ सिंह ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय में दायर अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली। उसके वकील मृगेंद्र सिंह ने न्यायालय में कहा कि समर्थ अब जिला अदालत या पुलिस के समक्ष सरेंडर करेगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एक फरार आरोपित को "विशेष राहत" नहीं दी जा सकती और पुलिस को उससे पूछताछ के लिए हिरासत की आवश्यकता है।

तमिलनाडु मंत्रिमंडल का फिर हुआ विस्तार वीसीके और आईयूएमएल को मिला प्रतिनिधित्व

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार में शुक्रवार को मंत्रिमंडल का एक और विस्तार किया गया। गठबंधन सहयोगी दलों विदुथलाई चिरुथैगल कच्छि (वीसीके) के नेता वन्नी अरसु और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के शाजहान ने नए मंत्रियों के रूप में शपथ ली। चेन्नई के गिंडी स्थित राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने दोनों नेताओं को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय समेत सरकार और गठबंधन दलों के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। इसके बाद पार्टी ने सहयोगी दलों के समर्थन से सरकार बनाई। सरकार गठन के बाद से ही सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठ रही थी।

इसी क्रम में 10 मई को मुख्यमंत्री जोसेफ विजय सहित 10 मंत्रियों ने शपथ ली थी। इसके बाद 21 मई को मंत्रिपरिषद का विस्तार करते हुए 23 और मंत्रियों को शामिल किया गया। अब वीसीके और आईयूएमएल को भी मंत्रिमंडल में जगह देकर गठबंधन संतुलन साधने की कोशिश की गई है। तमिलनाडु विधानसभा में कुल 234 सीटें हैं, जिसके आधार पर मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 35 मंत्री बनाए जा सकते हैं।

कांग्रेस के दो नेताओं को पहले ही मंत्रिमंडल में शामिल किया जा चुका है। अब वीसीके और आईयूएमएल को प्रतिनिधित्व मिलने से गठबंधन सहयोगियों की भागीदारी और मजबूत हुई है।

गौरतलब है कि बुधवार को 23 मंत्रियों के विभागों की घोषणा के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग किसी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए थे। ऐसे में राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि वन्नी अरसु और शाजहान को ये महत्वपूर्ण विभाग सौंपे जा सकते हैं। दोनों नेताओं के शपथ लेने के बाद अब उनके विभागों को लेकर आधिकारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

दुर्ग में पारिवारिक विवाद में दो बच्चों समेत दंपति ने की आत्महत्या

एजेंसी, दुर्ग

मध्य प्रदेश के दुर्ग जिले के आर्य नगर स्थित एक मकान में पति-पत्नी की लाश फांसी पर लटकी मिली और वहीं दो बच्चों के शव बिस्तर पर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुसाइड नोट के अनुसार दंपति ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने दो बच्चों के साथ आत्महत्या कर की है। मौके पर पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी पहुंच कर जांच पड़ताल कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार गोविंद साहू सुपेला के शेयर ट्रेडिंग फर्म में प्राइवेट जॉब करता है। बीती रात मृतक के परिजनों के पुरी, ओडिशा से आने के बाद साथ में आइस्क्रीम और मिठाई खाने के बाद परिवार सोने के लिए चला गया था। सुबह परिजनों ने उनके शव देखे। घटना की सूचना मिलते ही मोहन नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर की। पुलिस को एक कमरे में गोविंद साहू (45 वर्ष) और दूसरे कमरे में उसकी पत्नी चंचल साहू (40) की फांसी के फंदे से लटकते शव मिले। वहीं उनकी बेटी दृष्णा साहू (13 वर्ष) और बेटे यशांत साहू (10 वर्ष) का शव बिस्तर पर मिला है। पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया बच्चों को कोई जहरीला पदार्थ खिलाने के बाद दंपति ने फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के साथ अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। मौके पर जांच के लिए एफएसएल यूनिट की टीम भी पहुँची है। पुलिस के अनुसार घटनास्थल से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पारिवारिक विवाद का हवाला दिया गया है, जिसकी जांच की जा रही है। थाना मोहन नगर में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देश में अब डॉक्टर्स के पर्चे पर ही मिलेगी नसों के दर्द, एंजाइटी की दवा प्रेगबलिन

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में अब मनुष्य के नसों के दर्द, मिर्गी, एंग्जायटी और अन्य बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवा प्रेगबलिन डॉक्टर्स के पर्चे पर ही मिलेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति कहा गया है कि प्रेगबलिन को शेड्यूल एच 1 के दायरे में लाने का फैसला किया है। यह कदम दवा के बढ़ते दुरुपयोग और बिना डॉक्टर्स की सलाह के इसकी आसान बिक्री पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि अब मेडिकल स्टोर्स को इसकी बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय में इस दवा के गलत इस्तेमाल और नशे के तौर पर उपयोग के खुलासे हुए हैं। इसके बाद केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शेड्यूल एच 1 में शामिल होने से दवा की निगरानी मजबूत होगी। अवैध बिक्री पर रोक लगेगी। मरीजों की सुरक्षा पहले से और बेहतर हो सकेगी।

अब यह दवा के केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के लिखे गए वैध नुस्खे पर ही मिलेगी। रिटेलर्स और केमिस्ट को दवा बेचने वाले और लिखने वाले डॉक्टर का पूरा विवरण (नाम, पता, मात्रा) एक अलग रजिस्टर में दर्ज करना होगा। इस दवा की पैकेजिंग पर लाल रंग से स्पष्ट रूप से "चेतावनी " लिखा होना अनिवार्य किया गया है।

मुख्यमंत्री धामी बोले-देवभूमि में सड़कों पर नमाज़ नहीं होने देंगे, कानून से ऊपर कोई नहीं

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में सार्वजनिक सड़कों पर नमाज़ पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सड़कें आम जनता की आवाजाही के लिए हैं और कानून से ऊपर कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान राज्य में शांति और यातायात व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक सड़कों पर नमाज़ पढ़ने को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि 'देवभूमि उत्तराखंड में सड़कों को धार्मिक गतिविधियों या प्रदर्शन का माध्यम नहीं बनने दिया जाएगा और कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी धर्मों और आस्थाओं का सम्मान करती है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था और आम नागरिकों की सुविधा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चारधाम यात्रा के चलते उत्तराखंड में लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, ऐसे में यातायात और कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सड़कें आम जनता की आवाजाही के लिए होती हैं और उन्हें किसी भी प्रकार से अवरुद्ध करना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि नमाज़ मस्जिदों, ईदगाहों और निर्धारित स्थानों पर ही पढ़ी जानी चाहिए। सार्वजनिक मार्गों को बाधित कर लोगों को असुविधा पहुंचाना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के चलते सड़क पर नमाज़ जैसे मुद्दों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार की नीति स्पष्ट है, राज्य में कानून का राज सर्वोपरि रहेगा और किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नमाज़ मस्जिदों, ईदगाहों और निर्धारित स्थानों पर ही अदा की जानी चाहिए। सार्वजनिक मार्गों को बाधित कर आम लोगों को परेशानी में डालना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ लोग वोट बैंक की राजनीति के लिए सड़क पर नमाज़ का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन उत्तराखंड सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट और समान रूप से लागू होने वाली है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़कों को बंधक बनाकर अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?- डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया

लोकतंत्र की शान

» इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती

» दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए क़ोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

» भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरुआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के ज़ैरे, जिसे आज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं। साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है। साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है। साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरुआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें। साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरुआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है। साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

वकीलों पर लाठी नहीं लोकतंत्र पर प्रहार

लेखक-कांतिलाल मांडोत

लखनऊ जिला अदालत परिसर के बाहर जो कुछ हुआ वह केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई नहीं थी बल्कि कानून व्यवस्था और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की एक गंभीर परीक्षा थी। अदालतों में न्याय की लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं पर जिस तरह लाठीचार्ज हुआ उसने पूरे न्यायिक तंत्र को झकझोर दिया है। पुलिस और प्रशासन की यह कार्रवाई केवल चैंबर तोड़ने तक सीमित नहीं रही बल्कि उसने उस संवैधानिक गरिमा को भी आहत किया जिस पर भारतीय लोकतंत्र टिका हुआ है। घटना की शुरुआत हाईकोर्ट के आदेश के पालन के नाम पर हुई। नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल और बुलडोजर लेकर अदालत परिसर के बाहर पहुंची और कथित अवैध निर्माण हटाने लगी। जिन चैंबरों में वर्षों से वकील अपने पेशे का संचालन कर रहे थे उन्हें अचानक ढहाया जाने लगा। कई अधिवक्ताओं का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त समय और स्पष्ट सूचना तक नहीं दी गई। जिन लोगों ने जीवन के कई दशक अदालत परिसर में बिताए उनके सामने अचानक रोजी रोटी और सम्मान दोनों पर संकट खड़ा हो गया। विरोध होना स्वाभाविक था। वकील बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। कुछ सड़क पर बैठ गए। कुछ हाथ जोड़कर अपने चैंबर बचाने की गुहार लगाते रहे। लेकिन प्रशासन ने संवाद और समाधान का रास्ता चुनने के बजाय शक्ति प्रदर्शन का रास्ता अपनाया। देखते ही देखते बहस धक्का मुक्की में बदली और फिर पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। जिस समाज में वकील संविधान और कानून के रक्षक माने जाते हैं उसी समाज में उन्हें सड़कों पर दौड़ा दौड़ाकर पीटना बेहद चिंताजनक दृश्य था। सबसे दुखद पहलू यह रहा कि पुलिस की कार्रवाई में संवेदनशीलता लगभग दिखाई नहीं दी। एक अधिवक्ता ने आत्महत्या की धमकी दी। दूसरे अधिवक्ता रोते हुए कह रहे थे कि उनका चैंबर अवैध नहीं है और यदि उसे तोड़ा गया तो वे जीवित नहीं रहेंगे। इन आवाजों में केवल विरोध नहीं था बल्कि वर्षों की मेहनत और असुरक्षा का दर्द भी था। प्रशासन यदि चाहता तो बातचीत कर स्थिति संभाल सकता था। लेकिन जब राज्य की मशीनरी संवाद के स्थान पर डंडे को प्राथमिकता देती है तब हालात हिंसक बन जाते हैं। इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है कि क्या बुलडोजर अब प्रशासनिक कार्रवाई का स्थायी प्रतीक बन चुका है। कानून का शासन केवल कार्रवाई से नहीं बल्कि न्यायपूर्ण प्रक्रिया से चलता है। यदि किसी निर्माण को अवैध माना गया था तो उसके लिए स्पष्ट नोटिस पुनर्वास और सम्मानजनक विकल्प देने चाहिए थे। अदालत परिसर में दशकों से बैठे अधिवक्ताओं को अचानक अपराधियों की तरह खदेड़ना किसी सभ्य व्यवस्था का संकेत नहीं हो सकता। घटना के दौरान पथराव भी हुआ जो निंदनीय है। किसी भी परिस्थिति में हिंसा समाधान नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि जब प्रशासन संयम खो देता है तो भीड़ भी उग्र हो जाती है। पुलिस का दायित्व केवल बल प्रयोग करना नहीं बल्कि स्थिति को नियंत्रित रखना भी होता है। यदि पुलिसकर्मी स्वयं पत्थर उठाते दिखाई दें तो यह कानून व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जनता पुलिस से निष्पक्षता और संयम की अपेक्षा करती है न कि प्रतिशोध की। वकीलों पर लाठीचार्ज का असर केवल बार एसोसिएशन तक सीमित नहीं रहेगा। इसका प्रभाव आम जनता के न्यायिक विश्वास पर भी पड़ेगा। वकील अदालत और समाज के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यदि वही अपने को असुरक्षित महसूस करेंगे तो न्याय व्यवस्था का वातावरण भी प्रभावित होगा। अदालत परिसर हमेशा गरिमा और संवाद का स्थान माना जाता रहा है। वहां हिंसा और टकराव लोकतांत्रिक संस्थाओं की छवि को कमजोर करते हैं। यह भी विचारणीय है कि प्रशासनिक कार्रवाई में समानता दिखाई दी या नहीं। कई अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि कुछ अन्य निर्माणों को छोड़ दिया गया जबकि केवल चुनिंदा चैंबरों पर कार्रवाई हुई। यदि ऐसा है तो यह और गंभीर विषय है क्योंकि कानून की नजर में सब समान होने चाहिए। चयनात्मक कार्रवाई हमेशा अविश्वास और आक्रोश को जन्म देती है।

भाषाई विवाद और सामाजिक असंतुलन : विकास के सामने बड़ी चुनौती

सैयद इसरार हुसैन

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति और परंपराओं की बहुलता सदियों से भारतीय समाज की पहचान रही है। यही विविधता भारत की सबसे बड़ी शक्ति भी है, लेकिन जब इसका उपयोग सामाजिक समरसता के बजाय राजनीतिक और स्वार्थपूर्ण उद्देश्यों के लिए होने लगता है, तब यही विविधता राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में बाधा बन जाती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से आर्थिक प्रगति, सामाजिक न्याय और समान अवसरों वाले समाज का सपना देखा था। पंचवर्षीय योजनाओं, औद्योगिक विकास, कृषि सुधारों और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं के जरिए देश को विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया गया। उद्देश्य यह था कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर मिले और एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष तथा समावेशी राष्ट्र का निर्माण हो। किन्तु सामाजिक संरचना में मौजूद असमानताओं ने विकास की गति को कई स्तरों पर प्रभावित किया। जातिगत विभाजन, वर्ग संघर्ष, सांप्रदायिक तनाव, भाषाई विवाद और क्षेत्रीय असंतुलन जैसी समस्याएँ समय-समय पर राष्ट्रीय एकता और विकास के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभरीं।

जातिगत राजनीति और सामाजिक असंतुलन- भारतीय राजनीति में जातिगत समीकरण लंबे समय से सत्ता प्राप्ति का माध्यम रहे हैं। सामाजिक न्याय और समानता के नाम पर कई बार राजनीतिक दलों ने जातीय ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया, जिससे समाज में परस्पर अविश्वास की भावना मजबूत हुई। उच्च और निम्न वर्ग के बीच आर्थिक तथा सामाजिक दूरी ने कई क्षेत्रों में संघर्ष की स्थिति पैदा की। जब समाज का कोई वर्ग स्वयं को विकास की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है, तब असंतोष जन्म लेता है। यही असंतोष कई बार उग्र आंदोलनों और हिंसक प्रवृत्तियों को जन्म देता है। नक्सलवाद इसका एक उदाहरण रहा है, जिसने वर्षों तक देश के कई हिस्सों में विकास और शांति दोनों को प्रभावित किया। हालांकि पिछले वर्षों में सरकार की सख्त नीतियों और विकास योजनाओं के कारण नक्सलवाद काफी हद तक कमजोर पड़ा है, लेकिन सामाजिक असमानता की समस्या आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

सांप्रदायिक तनाव और विकास पर प्रभाव-भारत के सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चुनौती रहे हैं। हिंदू–मुस्लिम विवादों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ने समय-समय पर सामाजिक तनाव को जन्म दिया है। मंदिर–मस्जिद जैसे विवाद केवल धार्मिक मतभेद तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव देश की सामाजिक शांति, निवेश, उद्योग और आर्थिक वातावरण पर भी पड़ता है। जब समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बनता है, तब विकास की गति स्वतः प्रभावित होती है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक उन्नति के लिए सामाजिक स्थिरता और आपसी विश्वास अत्यंत आवश्यक होते हैं।

भाषाई विवाद : राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती-स्वतंत्र भारत में भाषाई विवाद भी समय-समय पर गंभीर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बने हैं। दक्षिण भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध से लेकर विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण के आंदोलनों तक, भाषा का प्रश्न कई बार संघर्ष का कारण बना। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बंगाल, आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में भाषाई अस्मिता को लेकर आंदोलन हुए हैं। भाषा किसी भी समाज की सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान से जुड़ी होती है, इसलिए इस विषय को संवेदनशीलता और संतुलन के साथ समझने की आवश्यकता है। जब भाषाई विवाद राजनीतिक रूप धारण कर लेते हैं, तब वे राष्ट्रीय एकता और आर्थिक विकास दोनों को प्रभावित करते हैं।

क्षेत्रीय असंतुलन और आर्थिक विषमता-भारत में आर्थिक विकास समान रूप से नहीं हो पाया है। कुछ राज्य औद्योगिक और आर्थिक दृष्टि से तेजी से आगे बढ़े, जबकि कई क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और पिछड़े समाज तक विकास का लाभ अपेक्षित स्तर पर नहीं पहुँच पाया। गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, क्षेत्रीय असमानता और शिक्षा की कमी जैसी समस्याएँ आज भी देश के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। स्वतंत्रता के दशकों बाद भी यदि समाज का एक बड़ा वर्ग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, तो यह गंभीर चिंतन का विषय है।

समावेशी विकास ही समाधान-इन सभी समस्याओं का समाधान समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और सकारात्मक राष्ट्रवाद में निहित है। राष्ट्रवाद का अर्थ किसी एक वर्ग या समुदाय की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र और उसके प्रत्येक नागरिक के सम्मान तथा समान अवसरों की भावना होना चाहिए। यदि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक अवसरों से जोड़ा जाए, तो असंतोष, हिंसा और अलगाववादी प्रवृत्तियाँ स्वतः कम होने लगेंगी। सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता का संतुलन ही भारत को स्थिर, मजबूत और विकसित राष्ट्र बना सकता है।

निष्कर्ष-आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि इस विविधता को सामाजिक समरसता, संवैधानिक मूल्यों और आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व स्तर पर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकता है। सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक चेतना और समान विकास ही स्वतंत्र भारत की वास्तविक प्रगति का आधार बन सकते हैं।

“मेड़ता रोड — जहाँ मिट्टी भी मोहब्बत की खुशबू देती है”

लेखक एजाज़ अहमद उस्मानी

» छोटा शहर, मगर दिलों में बसने वाली एक खूबसूरत दुनिया

राजस्थान के नागौर ज़िले में बसा मेरा प्यारा मेड़ता रोड केवल एक शहर नहीं, बल्कि भावनाओं, रिश्तों और अपनत्व का ऐसा संसार है, जहाँ हर चेहरा अपनेपन का एहसास कराता है। यह शहर भले ही आधुनिक महानगरों जितना बड़ा नहीं है, लेकिन यहाँ के लोगों के दिल आसमान से भी बड़े हैं। मेड़ता रोड की पहचान उसकी सादगी, भाईचारे और धार्मिक सौहार्द से होती है। यहाँ सुबह की शुरुआत चाय की दुकानों की मीठी चहल-पहल से होती है और शाम ढलते ही बाज़ारों की रौनक दिल को सुकून देती है। हर गली, हर मोड़ और हर चौक मानो अपने भीतर हजारों यादें समेटे हुए है। इस शहर की रूह उसकी आस्था में बसती है। बृहमाणी माता मंदिर, जबरेश्वर महादेव मंदिर, सर्वेश्वर महादेव मंदिर, जैन समाज का पार्श्वनाथ तीर्थ स्थल और फ़ज़्लुर्रहमान उर्फ़ चंगा बाबा की दरगाह — ये सभी केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और भाईचारे की जीवित मिसाल हैं। यहाँ हर धर्म के लोग एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होकर इंसानियत की सबसे खूबसूरत तस्वीर पेश करते हैं। मेड़ता रोड का रेलवे जंक्शन इस शहर की धड़कन है। रेल की सीटी के साथ यहाँ लोगों के सपने भी सफर पर निकलते हैं। यही रेलवे इस छोटे से शहर को राजस्थान के बड़े शहरों से जोड़ती है और विकास की नई राहें खोलती है। यहाँ के लोग मेहनती, सच्चे और दिल से जुड़े हुए हैं। किसी के घर खुशी हो तो पूरा शहर मुस्कुराता है, और किसी पर दुख आए तो हर हाथ मदद के लिए आगे बढ़ जाता है। यही अपनापन मेड़ता रोड को खास बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी शहर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। यहाँ के बच्चे बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए जोधपुर, जयपुर, सीकर और अन्य शहरों तक का सफर तय करते हैं। यह शहर अब बदलाव की ओर कदम बढ़ा रहा है। नगर पालिका बनने के बाद विकास कार्यों में तेजी आई है और आने वाले समय में मेड़ता रोड एक नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है। लेकिन सच तो यह है कि मेड़ता रोड की असली खूबसूरती उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि यहाँ के लोगों के दिलों में बसती है। यहाँ आज भी रिश्तों की मिठास ज़िंदा है, बुज़ुर्गों का सम्मान होता है और मोहल्लों में अपनापन महसूस किया जाता है। मुझे गर्व है कि मैं उस मिट्टी से जुड़ा हूँ, जहाँ इंसानियत आज भी मुस्कुराती है, जहाँ दिलों में प्यार बसता है और जहाँ हर रास्ता अपनेपन की ओर जाता है।तभी तो लोग इस शहर को मीनी भारत कहते हैं। मेड़ता रोड — सच में, छोटा शहर नहीं... दिलों की एक खूबसूरत दुनिया है।

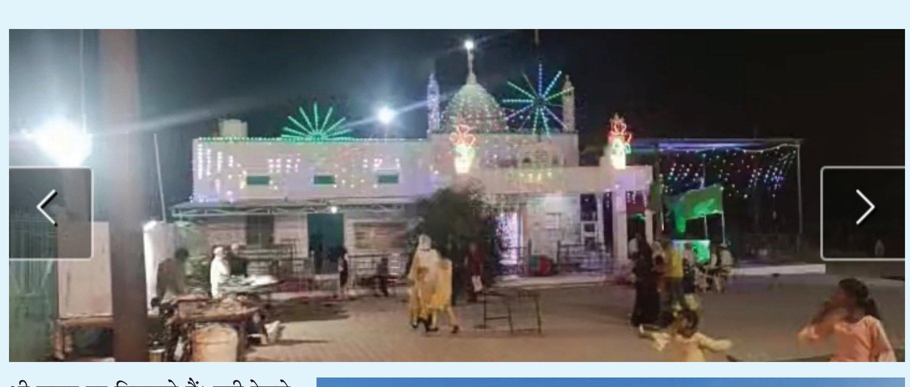

क्रिस्टियानो रोनाल्डो रचेंगे इतिहास

तोड़ेंगे मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड; पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी है और ये टूर्नामेंट 11 जून से तीन देशों यूएसए, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए पुर्तगाल ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है जिसें फेवरेट के तौर पर देखा जा रहा है। इस टीम के पास हर पोजिशन के लिए बेहतरीन खिलाड़ी हैं और एक बार फिर से स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस टीम के लिए खेलते हुए नजर आएंगे।

छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेंगे रोनाल्डो

यह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए भी एक बहुत बड़ा अवसर होगा क्योंकि उन्होंने अपने करियर में अब तक एक बार भी फुटबॉल वर्ल्ड कप नहीं जीता है। हालांकि इस वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले ही रोनाल्डो ने एक शानदार रिकॉर्ड अब अपने नाम कर लिया है। रोनाल्डो को पुर्तगाल की टीम में जगह दी गई है और इसके साथ ही वो सबसे ज्यादा बार फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने वाले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। रोनाल्डो अपने करियर में छठी बार वर्ल्ड कप खेलते हुए नजर आएंगे और उन्होंने एक साथ लियोनेल मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे जिन्होंने अब तक 5-5 बार वर्ल्ड कप खेला है।

मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ेंगे रोनाल्डो

मेसी के अलावा फुटबॉल वर्ल्ड कप के इतिहास में एंटोनियो कार्बाजल, आंद्रेस गुआर्डाडो, लोथर मैथ्यूस, राफेल मार्केज ने 5-5 बार वर्ल्ड कप खेले हैं, लेकिन रोनाल्डो इन सबको एक साथ पीछे छोड़ देंगे और छठी बार वर्ल्ड कप खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वर्ल्ड कप के लिए पुर्तगाल टीम का ऐलान करते हुए इस टीम के मैनेजर ने कहा कि अंतिम सूची में 27 नाम और एक 'प्लस वन' शामिल हैं। डियोगो जोटा को खोना एक अविस्मरणीय और बेहद कठिन पल था, लेकिन अगले ही दिन, हम सभी के लिए यह एक जिम्मेदारी बन गई कि हम डियोगो जोटा के सपनों के लिए और हमारी राष्ट्रीय टीम में उनके द्वारा स्थापित आदर्शों के लिए संघर्ष करें। आपको बता दें कि 2025/26 सीजन शुरू होने से ठीक पहले डियोगो जोटा का एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल टीम:
गोलकीपर: डिओगो कोस्टा (पोर्टो), जोस सा (वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स), रुई सिल्वा (स्पोर्टिंग लिस्बन), रिकार्डो वेल्हो (जेनक्लरबिर्लिसी)।
डिफेंडर्स: रूबेन डायस (मैनचेस्टर सिटी), जोआओ कैंसलो (बार्सिलोना), डिओगो दलोट (मैनचेस्टर यूनाइटेड), नूनो मेंडेस (पेरिस सेंट-जर्मेन), नेल्सन सेमेडो (फेनरबाश), मैथियस नून्स (मैनचेस्टर सिटी), गोंसालो इनासियो (स्पोर्टिंग लिस्बन), रेनैटो वेइगा (विलारियल), टॉमस अराउजो (बेनफिका)।

शुभमन गिल ने पूरे किए 6000 टी20 रन

सुदर्शन के साथ मिलकर बना डाले 3 बड़े रिकॉर्ड; कोहली-डुप्लेसिस छूटे पीछे

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 66वें मैच में गुजरात टाइटंस के ओपनर व कप्तान शुभमन गिल ने शानदार पारी खेली और 37 गेंदों पर 64 रन बनाए। गिल ने इस पारी के दौरान अपने 6000 टी20 रन भी पूरे किए साथ ही साई सुदर्शन के साथ इस मैच में शतकीय साझेदार भी की। गिल ने साई के साथ मिलकर इस मैच में कई बेहतरीन रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। शुभमन गिल ने इस पारी के दम पर इस सीजन में अपने 600 रन भी पूरे किए।

टी20 में सबसे तेज 6000 रन पूरे करने वाले बैटर्स

- 162 - क्रिस गेल
- 165 - बाबर आजम
- 166 - केएल राहुल
- 180 - शॉन मार्श
- 180 - डेवोन कॉनवे
- 184 - विराट कोहली
- 185 - शुभमन गिल

गिल ने पूरे किए 6000 रन

गिल ने सीएसके के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 6000 टी20 रन पूरे किए और वो इस प्रारूप में सबसे तेज गति से 6000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए। गिल ने ये कमाल 185 पारियों में किया। इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं जिन्होंने टी20 में सिर्फ 162 पारियों में 6000 रन पूरे किए थे।

गिल-साई ने तोड़ा कोहली-डुप्लेसिस का रिकॉर्ड

गिल और साई के बीच अब तक आईपीएल में कुल 1898 रन की साझेदारी हो चुकी है और वो इस लीग में सबसे ज्यादा बड़ी ओपनिंग साझेदारी करने वाले बैटिंग पेयर की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इन दोनों ने कोहली और डुप्लेसिस को पीछे छोड़ दिया जिनके बीच बतौर ओपनर कुल 1890 रन की साझेदारी हुई थी।

सुदर्शन ने तोड़ा संजू, बटलर श्रेयस का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 66वें मैच में अहमदाबाद में शानदार पारी खेली और अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का भी कमाल किया। साई ने इस मैच में 53 गेंदों पर 84 रन बनाए और इस दौरान 4 छक्के और 7 चौके भी लगाए। ये उनका इस सीजन में लगातार 5वां अर्धशतक रहा और उन्होंने वीरेंद्र सहवाग समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी की साथ ही साथ संजू सैमसन, जोस बटलर और श्रेयस अय्यर का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया।

साई ने की सहवाग, बटलर, वॉर्नर की बराबरी- साई सुदर्शन ने सीएसके के खिलाफ 84 रन की पारी खेली और इस सीजन में ये उनका लगातार 5वां 50 प्लस स्कोर रहा। साई अब इस लीग में लगातार 5 बार 50 प्लस की पारी खेलने वाले चौथे बैटर बने और वीरेंद्र सहवाग, जोस बटलर और डेविड वॉर्नर की लिस्ट में शामिल हो गए। इन तीनों बैटर्स ने भी आईपीएल के एक सीजन में लगातार 5 बार 50 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया था।

मलेशिया मास्टर्स 2026

मालविका बंसोड़ टूर्नामेंट से बाहर, चालिहा से उम्मीदें जिंदा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। मलेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार शटलर मालविका बंसोड़ का सफर दूसरे दौर में खत्म हो गया। कुआलालंपुर में खेले गए मुकाबले में उन्हें डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन कजर्सफेल्ट के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय खिलाड़ी अस्मिता चालिहा ने शानदार जीत दर्ज कर भारत की उम्मीदों को कायम रखा।

पहला गेम जीतने के बाद मैच गंवा बैठीं मालविका - विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर मौजूद मालविका बंसोड़ ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-16 से जीत हासिल की और मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। पहले गेम के दौरान मालविका ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और इंटरवल तक 11-6 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखते हुए गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में बदला मैच का रुख - पहला गेम हारने के बाद डेनमार्क की लाइन कजर्सफेल्ट ने जोरदार वापसी की। दूसरे गेम में उन्होंने शुरुआती आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। मालविका इस दबाव से उबर नहीं सकीं और दूसरा गेम 21-8 से गंवा बैठीं। निर्णायक गेम में एक समय मालविका 11-8 से आगे थीं, लेकिन इसके बाद कजर्सफेल्ट ने लगातार अंक जुटाते हुए मुकाबला 21-15 से अपने नाम कर लिया।

अश्मिता चालिहा ने बढ़ाया भारत का मान - दूसरी ओर अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया की स्टार खिलाड़ी गोह जिन वेई को सीधे गेमों में हराया। अश्मिता ने मुकाबला 21-13, 21-16 से जीतकर महिला एकल वर्ग में भारत की चुनौती जिंदा रखी। गोह जिन वेई दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन और 2018 यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं, ऐसे में अश्मिता की यह जीत बेहद खास मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान पूरे देश का सम्मान है: हरभजन सिंह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑफ स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह 'बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुंबई में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन में समाज में शांति की स्थापना करने वालों को सम्मानित करने के लिए किया गया था। इसमें हरभजन सिंह का भी नाम था। हरभजन ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को इटली में मिले एग्रीकोला पदक को उन्होंने देश का सम्मान बताया। मीडिया से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'समाज की बेहतरी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करना बेहतरीन काम है। समाज में शांति के लिए काम करने वाले और भी लोग चाहिए। यहां आकर और सम्मानित होकर अच्छा लग रहा है। मैं इन लोगों के साथ रहूंगा और अपने स्तर से जो भी बेहतर हो सकेगा, करूंगा।' दुनिया में बढ़ महंगाई पर हरभजन ने कहा, 'मौजूदा समय में विश्व तेल और सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से परेशान है। इस परेशानी की वजह दुनिया में शांति का न होना है। अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध नहीं होता, तो ये समस्याएं नहीं होतीं। उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा और महंगाई की समस्या से दुनिया को निजात मिलेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली दौरे के दौरान 'एग्रीकोला पदक' से सम्मानित किया गया है।

व्यापार

अडानी ग्रुप पर दांव, रिलायंस में घटाया हिस्सा, दिग्गज इनवेस्टमेंट कंपनी ने बदली अपनी चाल

नईदिल्ली, एजेंसी। कैपिटल ग्रुप ने हाल के हफ्तों में अडानी ग्रुप की 3 कंपनियों में 2 अरब डॉलर से ज्यादा वैल्यू की हिस्सेदारी खरीदी है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज में कैपिटल ग्रुप अपनी हिस्सेदारी घटा रहा है। मार्च के आखिर में ग्रुप के पास रिलायंस के 142 मिलियन शेयर थे। दुनिया की सबसे बड़ी इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट फर्मों में से एक कैपिटल ग्रुप, अडानी ग्रुप की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में कैपिटल ग्रुप अपनी हिस्सेदारी कम कर रही है। यह देश के दो सबसे बड़े कारोबारी ग्रुप के बीच विदेशी निवेशकों की पसंद में आए बदलाव को दिखाता है। अडानी पोर्ट्स में खरीदी करीब 2 पर्सेंट हिस्सेदारी लॉस एंजिल्स स्थित इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी कैपिटल ग्रुप ने हाल के हफ्तों में अडानी ग्रुप की 3 कंपनियों में 2 अरब डॉलर से ज्यादा वैल्यू की हिस्सेदारी खरीदी है।

एलआईसी का शेयर आपको कर सकता है मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। एलआईसी के शेयर आने वाले दिनों में आपको मालामाल कर सकते हैं। 25 एनालिस्ट इस स्टॉक को लेकर बुलिश हैं और खरीदने की सलाह दे रहे हैं। सिटी ने रेटिंग के साथ इसका टार्गेट प्राइस 1,475 तय किया है। यह पिछले बंद 804 से 83.5 प्रतिशत अधिक है। यह लिए बाजार का सबसे ऊंचा टार्गेट माना जा रहा है। इस अपडेट के बाद आज 22 मई को एलआईसी के शेयरों में तेजी है और सुबह के कारोबार में यह 4 प्रतिशत ऊपर ट्रेड कर रहा था। स्टॉक को लेकर 26 में से 22 ब्रोक्रेज बुलिश हैं। केवल एक ने शेयर पर 'स्द्बद्यद्य' रेटिंग दी है। वहीं 22 विश्लेषकों ने तीन ने होल्ड' की सलाह दी है। मजबूत रहा चौथी तिमाही का प्रदर्शन सिटी के अनुसार का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा। कंपनी के 'वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस' मार्जिन में 690 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी हुई। इसकी बड़ी वजह गैर-भागीदारी पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ना और बेहतर रहा। ब्रोकरेज का कहना है कि सितंबर 2025 के मुकाबले कंपनी की एंटरप्राइज वैल्यू में 3 प्रतिशत की कमी आई, जिसका कारण निवेश से जुड़े नकारात्मक प्रभाव रहे। इसका असर डेट और इक्विटी दोनों पर लगभग समान रहा। प्रबंधन ने कहा कि कंपनी लगातार पॉलिसी रिन्यूअल सुधारने, नए प्रोडक्ट लाने, मौजूदा एजेंटों की उत्पादकता बढ़ाने और नए एजेंट जोड़ने पर काम कर रही है। साथ ही एजेंसी के अलावा दूसरे चैनलों से भी कारोबार बढ़ाने की कोशिश जारी है।

जल्दबाजी में घाटा, सब्र में मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले तीन दशकों (30 साल) के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि अगर निवेशक लंबे समय तक बने रहते हैं, तो मिलने वाला रिटर्न ज्यादा भरोसेमंद हो जाता है और जोखिम भी कम होता है। एक स्टडी में अगस्त 1996 से अप्रैल 2024 के बीच सेंसेक्स में किए गए मंथली निवेश का अध्ययन किया गया। इसमें देखा गया कि कम समय के निवेश में मिलने वाले रिटर्न में उतार-चढ़ाव था, जबकि लंबे समय में यह अंतर काफी कम हो गया। तीन साल की मामले में रिटर्न का दायरा बहुत बड़ा था। इसमें जहां एक तरफ 55.6 प्रतिशत तक का भारी मुनाफा हुआ, वहीं दूसरी तरफ 24.6 प्रतिशत तक का बड़ा घाटा भी देखा गया। जैसे-जैसे निवेश का समय बढ़ाया गया, घाटे की संभावना कम होती गई। साथ ही मिलने वाले मुनाफे की ऊपरी सीमा भी थोड़ी नीचे आई। इस स्टडी के अनुसार, जिन लोगों ने 8 साल या उससे ज्यादा समय तक निवेश जारी रखा, उन सभी को मुनाफा हुआ और किसी को भी घाटा नहीं हुआ। एक स्टडी के मुताबिक, 8 साल या उससे ज्यादा समय तक निवेश करने पर हमेशा मुनाफा हुआ और कभी नुकसान नहीं झेलना पड़ा। दूसरा पहलू यह है कि बहुत लंबे समय तक निवेश करने से मिलने वाला रिटर्न थोड़ा औसत या स्थिर हो सकता है। अगर 15 साल की देखें तो रिटर्न करीब 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा।

सबसे ज्यादा माल बनाने में आगे हैं 5 राज्य

शराब से सरकार की होती है खूब कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। शराब का सेवन करने वालों को भारतीय समाज में अच्छी नजर से नहीं देखा जाता है। लेकिन सरकार के लिए ये महत्वपूर्ण हो जाते हैं। क्योंकि इनसे राज्य सरकार का खजाना खूब भरता है। चूंकि शराब वस्तु एवं सेवा कर के दायरे से बाहर है। इसलिए राज्य सरकारें इससे जम कर कमाई करती हैं। आज हम यहां बता रहे हैं भारत के 5 राज्यों के बारे में, जो 'दारू' से सबसे ज्यादा कमाई करते हैं।

भारत में शराब पर राज्य सरकार एक्साइज ड्यूटी या उत्पाद शुल्क वसूलते हैं। हर राज्य में इस पर एक समान टैक्स नहीं है। इस पर हर राज्य अलग-अलग दर से टैक्स लगाता है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा संदर्भित स्टेट फाइनेंस के लेटेस्ट डेटा के मुताबिक कुछ राज्य स्पष्ट रूप से उत्पाद शुल्क वसूलने में आगे हैं। शुल्क की वसूली इस बात पर भी निर्भर करती है कि राज्य में कितने लोग निवास करते हैं, उनमें शराब पीने वालों की संख्या कितनी है, लोग कितनी मात्रा में शराब का सेवन करते हैं और सबसे महत्वपूर्ण कि उस राज्य में में एक्साइज ड्यूटी का रेट कितना है। इन आंकड़ों का स्रोत रिजर्व बैंक और NFHS-5 हैं।

शराब बेच कर माल बनाने में आबादी के हिसाब से देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। इस राज्य में आबादी अन्य राज्यों के मुकाबले तो ज्यादा है ही, शराब की दुकानों का नेटवर्क भी बढ़िया है। इसलिए देश के अन्य राज्यों के मुकाबले यूपी में सबसे ज्यादा एक्साइज रेवेन्यू मिलता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे -5 के मुताबिक इसका एक्साइज कलेक्शन 31,517,40 करोड़ रुपये रहा है। इस राज्य में 14.6 फीसदी पुरुष और 0.3 फीसदी महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक है। ह्लस्न॥स्न के मुताबिक इस राज्य में 16.5 फीसदी पुरुष और 0.9 फीसदी महिलाएं अल्कोहलिक बीवरेज का सेवन करते हैं। तभी तो राज्य को एक्साइज ड्यूटी से 20,950 करोड़ रुपये मिले हैं। दरअसल, इस राज्य में बेंगलुरु जैसे महानगर हैं जहां अल्कोहलिक बीवरेज की खूब मांग है। यह सरकार की झोली भरने में मददगार है। पश्चिमी भारत का राज्य महाराष्ट्र प्रीमियम और मास-मार्केट अल्कोहल, दोनों को कंज्यूम करने में आगे हैं। राज्य में मुंबई, पुणे और नासिक जैसे बड़ी शहरी जनसंख्या वाले शहर हैं।

मोबाइल वॉलेट्स के बिजनेस पर खतरा

आरबीआई के नए ड्राफ्ट नियमों से बढ़ी कंपनियों की चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल वॉलेट या प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट के नियमों को सख्त बनाने की भारतीय रिजर्व बैंक की तैयारी ने डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री को चिंता में डाल दिया है। यह इंडस्ट्री अब के पास जाने की योजना बना रही है, ताकि कुछ प्रस्तावों पर फिर से विचार करने की अपील की जा सके। एक डिजिटल पेमेंट कंपनी के सीईओ ने नाम न छापने की शर्त पर श्वञ्ज को बताया कि इंडस्ट्री के लोग अपनी राय और सुझाव जुटा रहे हैं। अगले दो दिनों के भीतर हम अपनी बात केंद्रीय बैंक के सामने रखेंगे। कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल को जो नए ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं, अगर वे इसी तरह लागू हुए तो पेमेंट इंडस्ट्री के लिए कमाई के कई मौके खत्म हो जाएंगे।

मुंबई की एक डिजिटल पेमेंट कंपनी के सीईओ ने कहा, 'इससे प्रीपेड कार्ड्स या वॉलेट्स पर आधारित कई तरह के कारोबार ठप हो सकते हैं। कई सुविधाओं पर लिमिट इतनी सख्त कर दी गई है कि इससे बिजनेस का दायरा बहुत छोटा हो जाएगा। इंडस्ट्री चाहती है कि आरबीआई उनके साथ बैठकर चर्चा करे और इन नए नियमों को लागू करने की समयसीमा को 6 से 12 महीने के लिए आगे बढ़ा दे।'

क्या है खास

ड्राफ्ट नियमों में वॉलेट के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे को पैसे भेजने की महीने की सीमा 25,000 रुपये तय की गई है। वॉलेट में कैश जमा करने की सीमा को 50,000 रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। कुल महीने की बैलेंस लिमिट 2 लाख रुपये रखने का सुझाव दिया गया है। साथ ही, जिन वॉलेट्स की मिनिमम केवाईसी हुई है, उनका इस्तेमाल सिर्फ सामान या सर्विस खरीदने के लिए किया जाए, न कि किसी दूसरे व्यक्ति को पैसे भेजने के लिए। एक अधिकारी ने बताया कि मतलब है कि कम केवाईसी वाले वॉलेट्स का इस्तेमाल पैसे भेजने के लिए तब तक नहीं किया जा सकेगा, इससे घर पैसे भेजने वाला वॉलेट का जब तक कि पूरी केवाईसी न हो जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)